www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 188 || लखनऊ
शुक्रवार
09 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:02
सूर्यास्तः 05:44
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 22°00



पेज 07

विशेष समाचार
नाना पाटेकरः अभिनय की... >>पेज 04
ज्ञानेश कुमार की प्रतीकात्मक... >>पेज 06
नहीं रहे नाना पाटेकर...



शराब और समाजवादी पार्टी से हमेशा रहना सावधान

सीएम योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को किया आगाह, 470 खिलाड़ियों को दरोगा-सिपाही के जॉइनिंग लेटर बांटे

नियुक्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने गुरुवार को लोकभवन में पुलिस और पीएसी में नौकरी पाने वाले कुल 470 खिलाड़ियों को जॉइनिंग लेटर बांटे। इनमें नागरिक पुलिस के 43 दरोगा, 295 सिपाही और पीएसी के 132 सिपाही शामिल हैं। योगी ने कहा- पहले यूपी में डुबाऊ एलायंस काम कर रहा था। वह प्रदेश के नौजवानों के सामने संकट खड़ा करता था। नौकरी पर डकैती डालता था। दो ही एस (S) थे। सैफई या सिफारिश से ही नौकरी मिलती थी। लेकिन, अब एनडीए की सरकार है।

एनडीए मतलब, नौकरी देंगे। मैं पुलिस महानिदेशक से कहूंगा, इन सब खिलाड़ियों को कोई न कोई गांव गोद जरूर दे दीजिए। उस गांव में ये खेलकूद की गतिविधियां चलाने के लिए सप्ताह में कम से कम एक दिन तो जरूर दें। जैसे 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत हर महिला बीट पुलिस अधिकारी किसी एक गांव में सप्ताह में एक दिन जाती है, वैसे ही खिलाड़ी भी जाएं। आपको लाइक्स चाहिए या रियल लाइफ चाहिए। प्रैक्टिस मत छोड़ना, भारत आपका इंतजार कर रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)





> सीएम योगी ने दरोगा-सिपाहियों से कहा- मुझे कभी-कभी हंसी आती है इस बात को लेकर, जब समाजवादी पार्टी युवाओं की नियुक्ति की बात करती है। तब मुझे लगता है जैसे कोई मगरमच्छ पानी में बैठकर, पानी में तैरते हुए शांति का उपदेश दे रहा हो। इन उपदेश देने वाले मगरमच्छों से सावधान रहना।

नौकरी सरकार की कृपा नहीं, आपकी मेहनत है

सीएम ने कहा- चुनौती को आपने चुनौती नहीं माना। पारिवारिक समस्या को समस्या नहीं माना। अपने परिश्रम को समाधान की ओर लेकर गए। यह काम यूपी पुलिस का हिस्सा बनने का बाद आपको करना है। मैं देख रहा था कि 470 में 303 पुरुष और 167 महिलाएं हैं।

उपनिरीक्षक में 43 पुरुष और 30 महिलाएं है। मैं पूछना चाहता हूं कि जो नियुक्ति पत्र मिला है, उस प्रक्रिया में किसी ने कोई पैसा मांगा। गर्दन हिलाकर नहीं आवाज दो। कहीं से कोई सिफारिश कराने की जरूरत हुई। याद रखना ये न सरकार की कृपा है ना मेरी अनुकंपा है। यह आपके मेहनत के पसीने का परिणाम है।

दिल खोलकर खेलिए, नौकरी की चिंता मत कीजिए

पहले नौकरी पर एक परिवार का कब्जा था। आज किसी का कब्जा नहीं, सिर्फ पसीने और प्रतिभा का ही नौकरी पर कब्जा है। मैं कहना चाहता हूं कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केवल चुनाव जीतने के लिए रिकॉर्ड नहीं बनाए हैं, मेडल जीतने के भी रिकॉर्ड बनाए हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स में 107 मेडल जीते हैं, यह रिकॉर्ड है। खिलाड़ी दिल खोलकर खेलिए, नए रिकॉर्ड खड़े कर दीजिए। नौकरी की चिंता मत कीजिए, नौकरी मिलकर रहेगी। प्रमोशन कोई टाल नहीं सकता। कोई प्रमोशन टालेगा, तो उसे ही टाल देंगे। आपको घबराना नहीं है। मैं कहना चाहता हूं कि आज प्रदेश में कोई भी पुरस्कार मंच से सीएम की बड़ाई करने से नहीं मिलने वाला।

खेल मंत्री ने कहा- सरकार ने खिलाड़ियों को सीधी नौकरी दी

खेल मंत्री गिरीश यादव ने कहा- पिछले 9 साल में जो भी पदक जीतकर आया, उसे सरकारी नौकरी और नकद पुरस्कार भी मिला है। पुरस्कार राशि भी दो से तीन गुना बढ़ाई गई है। खिलाड़ियों को सीधी भर्ती दी जा रही है।



> डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- जब खिलाड़ी पदक जीतकर तिरंगा लहराते हैं, तो हमारा सीना चौड़ा हो जाता है। खेल प्रतिभा से ऐसे लोगों को पुलिस सेवा में आने का मौका मिला है। आपका खेल अभी खत्म नहीं हुआ है, खेल अभी जारी है। केशव ने कहा- 2017 से पहले विपक्षी दलों की सरकारों के समय कानून व्यवस्था ध्वस्त रहती थी। लेकिन, आज देश में यूपी की चुस्त-दुरुस्त कानून-व्यवस्था की चर्चा है। कानून व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त होती है, तो विकास भी होता है।

आपकी यह यात्रा जर्सी से वर्दी की

सीएम योगी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- मैं आप सभी युवा खिलाड़ियों को यूपी पुलिस का हिस्सा बनने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

आपकी जर्सी से वर्दी की यात्रा शुरू हुई है। इसका अभिनंदन करने के लिए एक डिप्टी सीएम और मंत्री के साथ मैं खुद आया हूं। योगी ने कहा- जर्सी में जो काम करते थे, जो परिणाम लाए हैं, सरकार वर्दी में भी उसी तरह की अपेक्षा करती है।

जर्सी में आपने अनुशासन, टीम वर्क के महत्व को समझा।

शक्ति और सामर्थ्य की सही दिशा दी।

समय की कीमत को पहचाना। आपकी दिनचर्या सुबह 4 बजे से शुरू होती है। सम विषम परिस्थिति में भीषण सर्दी, बरसात या संसाधन का अभाव होता है, तो भी आप प्रैक्टिस करते हैं।

नाना पाटेकर को मोदी की श्रद्धांजलि

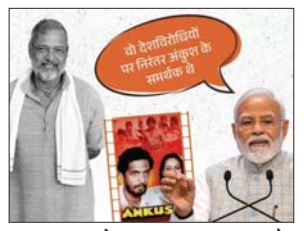
6 फिल्मों- तिरंगा, परिंदा, प्रहार, क्रांतिवीर, खामोशी, अंकुश का जिक्र

निधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। नाना पाटेकर का 75 साल की उम्र में निधन हो गया। गोवा में कार्डियक अरेस्ट के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई लोगों ने नाना को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नाना पाटेकर को कहा कि वे बेहतरीन कलाकार थे। उन्होंने अलग-अलग किरदारों से दर्शकों का दिल जीता। मोदी ने अपने बयान में नाना की फिल्मों के नामों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, नाना पाटेकर का जीवन तिरंगे की आन-बान और शान की तरह रहा। वो बंधनों में नहीं रहे, परिंदे की तरह फिल्मों के आसमान में उड़े। उन्होंने समाज में व्याप्त अव्यवस्था पर अपनी फिल्मों के माध्यम से करारा प्रहार किया। वे एक ऐसे क्रांतिवीर थे, जिन्होंने बुराइयों के विरुद्ध काम किया। उनकी वाणी जितनी तेज थी, उनकी खामोशी भी उतनी ही प्रभावी थी।

>> (शेष पेज 06 पर)



यूपीआई पर चार्ज अगले साल तक टल सकता है

दावा : फेस्टिव सीजन में यूपीआई पेमेंट फ्री रहेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। UPI पर चार्ज लगाने का नियम फिलहाल टल सकता है। केंद्र सरकार 15 अक्टूबर से 2000 से ज्यादा के UPI पेमेंट पर 0.4% चार्ज लगाने का नियम लागू करने वाली थी। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि सरकार अगले साल 1 जनवरी से नया नियम लागू करने पर विचार कर रही है। ऐसा हुआ तो फेस्टिव सीजन में दुकानदारों और पेमेंट कंपनियों को छूट दी जा सकती है यानी UPI ट्रांजैक्शन फ्री रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फेस्टिव सीजन के दौरान दुकानदारों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े इसलिए सरकार 0.4% मर्चेंट शुल्क लागू करने की तारीख को आगे बढ़ाने का मन बना रही है। सरकार की ओर से आधिकारिक फैसला अगले कुछ ही दिनों में सामने आ सकता है। UPI पर मर्चेंट चार्ज टलने की खबर का सीधा असर शेयर बाजार में लिस्टेड फिनटेक कंपनियों के शेयरों पर देखा।



■ 15 अक्टूबर से लागू होना था 0.4% चार्ज का नियम।

फास्ट न्यूज

कश्मीर के कुलगाम में 5 आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में पुलिस ने सेना की राष्ट्रीय राइफल्स (RR) और CRPF के साथ संयुक्त अभियान चलाकर पांच संदिग्ध आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ताजमुल हुसैन मीर, रहमत अली नाइकू, तेहरिम अहमद भट, मंजूर अहमद भट और किफायत अहमद डार के रूप में हुई है।

ट्रेन से लापता लड़की का शव आंध्र प्रदेश में मिला

गुवाहाटी। ट्रेन में सफर के दौरान लापता हुई असम की एक आदिवासी छात्रा का शव बुधवार सुबह आंध्र प्रदेश में मिला है। असम के कामरूप जिले में रहने वाली 20 साल की हिमाश्री बोरो विशाखापत्तनम से गुवाहाटी जा रही थी। वह में सवार थी। छात्रा की मां ने बताया कि वह 5 अक्टूबर को रात 11:50 बजे विशाखापत्तनम से डिब्रूगढ़ विवेक एक्सप्रेस (नं. 22503) ट्रेन में सवार हुई थी। ट्रेन को 7 अक्टूबर सुबह 9:05 बजे गुवाहाटी पहुंचना था। इसी दौरान 6 अक्टूबर को सुबह 2:39 बजे उसने एक सहेली को बताया था कि कुछ लड़के उसे परेशान कर रहे हैं।

वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा खत्म हुई

नई दिल्ली। पीएम मोदी के जनसेवा और सुशासन के 25 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को वडनगर में 'वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा' का समापन समारोह आयोजित किया गया।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया और बाइकर्स का सम्मान किया।

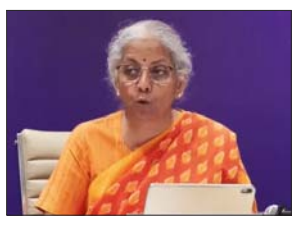
अब जीएसटी अफसर को गिरफ्तारी का अधिकार नहीं

5 करोड़ से कम की गड़बड़ी पर सिर्फ जुर्माना

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 5 करोड़ से कम की टैक्स चोरी या गड़बड़ी करने वालों को टैक्स अधिकारी अब किसी की गिरफ्तारी नहीं कर सकेंगे। यह फैसला गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई GST काउंसिल की 53वीं बैठक में लिया गया। बैठक में GST मामलों में क्रिमिनल केस की मिनिमम लिमिट 1 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए कर दी गई है। 5 करोड़ रुपए से कम की गड़बड़ी को सिर्फ जुर्माना भरकर सुलझाया जा सकेगा। 10 हजार रुपए से कम की टैक्स चोरी पर कारोबारी को नोटिस भी नहीं दिया जाएगा।



काउंसिल ने ऑनलाइन सामान बेचने वाले छोटे दुकानदारों के लिए भी नियम आसान बनाए हैं, काउंसिल ने जीएसटी कानून के तहत अधिकारियों को दी गई गिरफ्तारी की शक्तियों को वापस ले लिया है। इसके साथ ही, मामलों में तय न्यूनतम सजा के प्रावधान को भी हटा दिया गया है। अब किसी भी मामले में जुर्माना, जेल या दोनों तरह की सजा तय करने का पूरा अधिकार पूरी तरह से अदालतों के विवेक पर छोड़ दिया गया है।

एसआईआर को सही बताया, लिखा- बिना सबूत वोट चोरी के आरोप लोगों का भरोसा घटा सकते हैं

ज्ञानेश कुमार के सपोर्ट में 42 पूर्व जजों का लेटर

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग और SIR को लेकर जारी विवाद के बीच 42 पूर्व जजों ने CEC ज्ञानेश कुमार का समर्थन किया है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील की। पूर्व जजों ने एक लेटर पर साइन किए हैं। इसमें कहा गया है कि शिकायतें लोकतांत्रिक और कानूनी तरीकों से उठाई जानी चाहिए। उन्होंने SIR प्रक्रिया को भी सही बताया है। इस ओपन लेटर में पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस पंकज मित्तल के भी साइन हैं। लेटर में लिखा है- वोट चोरी के आरोप अदालतों में नहीं, बल्कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए जाते हैं।



> लेटर में चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर जजों ने कहा कि इनके समर्थन में सबूत नहीं दिए गए हैं। बिना सबूत संवैधानिक संस्थाओं पर हमले चुनावी प्रक्रिया में लोगों का भरोसा कमजोर कर सकते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

लेटर में पूर्व जजों के 3 दावे

- चुनावों को अवैध ठहराने के प्रयास अशांति को बढ़ावा दे सकते हैं और अराजक तत्वों को प्रोत्साहित कर सकते हैं।
- चुनाव कराने वाले अधिकारियों को अपशब्द कहे जा रहे हैं, अधिकारियों को सत्ता बदलने के बाद बदला लेने की चेतावनी दी जा रही है।
- एक्टिविस्ट संगठन आरोपों को कानूनी रूप देने की कोशिश करते हैं। वे एक के बाद एक याचिकाएं लगाते हैं, लेकिन शायद ही कभी सबूत पेश करते हैं।

एसआईआर और चुनाव पैनल से जुड़ी याचिकाएं लंबित

SIR प्रक्रिया से जुड़ी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। इसके अलावा चुनाव पैनल से जुड़े नए कानून की वैधता पर भी सुनवाई बाकी है। इस नए कानून में मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन पैनल से CJI को बाहर रखा गया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने 5 अक्टूबर की सुनवाई में उन्हें निलंबित करने का अंतरिम आदेश देने से तो इनकार किया, लेकिन चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर फैसले बिना सहमति के लिए पाए गए, तो उन्हें वापस लिया जा सकता है।

विरोध : राहुल-प्रियंका ने राजघाट पर बापू को श्रद्धांजलि दी, खड़गे बोले- सरकार वोट देने का अधिकार छीन रही

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

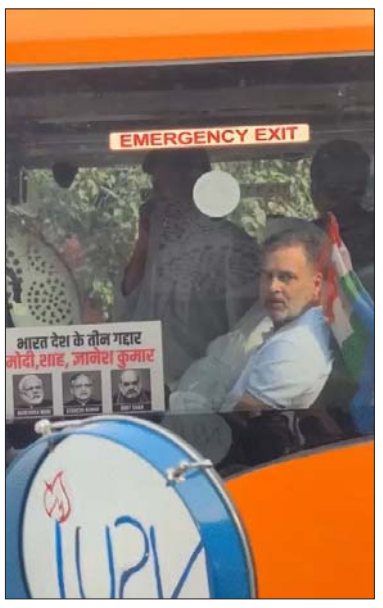
नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SIR के विरोध में विपक्ष ने दिल्ली में गुरुवार को लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन किया। राहुल-प्रियंका गांधी और INDIA ब्लॉक के सांसदों ने पहले कनॉट प्लेस में लंच किया, फिर बसों से राजघाट पहुंचे। प्रदर्शन को देखते हुए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। राजघाट पर करीब एक घंटे इंतजार के बाद उन्हें अंदर जाने दिया। यहां सांसदों ने बापू को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले खड़गे ने कहा था कि वे गांधीजी से प्रार्थना करेंगे कि सरकार को सद्बुद्धि दे। वह लोगों का वोट देने का अधिकार न छीने। दिल्ली में पिछले दो दिनों से धरने का एक ही पैटर्न दिखा।



बीजेपी महिला मोर्चा का कांग्रेस मुख्यालय के पास प्रदर्शन

दिल्ली BJP महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने मध्य दिल्ली के डीडीयू मार्ग स्थित कांग्रेस मुख्यालय के पास प्रदर्शन किया। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर महिला पुलिसकर्मियों के साथ "दुर्व्यवहार" करने का आरोप लगाया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को ITO चौराहे से कांग्रेस मुख्यालय की ओर बढ़ने से रोक दिया।

> भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप मंडारी ने कहा, "इस समय आप राहुल गांधी और विपक्ष को राजघाट पर देख रहे हैं। अगर बापू जीवित होते तो कम से कम कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को कुछ समझदारी भरी सलाह तो देते।"



■ लंच के बाद राहुल गांधी बस में बैठकर राजघाट की तरफ जा रहे थे, तब उनके हाथ में एक पोस्टर था।

बेंगलुरु में सीजेपी का प्रदर्शन, ध्रुव राठी, प्रकाश राज शामिल

दीपके ने वोट चोर के नारे लगवाए, कहा- वन नेशन

आरोप

■ ध्रुव राठी, प्रकाश राज और अभिजीत दीपके बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में प्रदर्शन में शामिल हुए।

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में गुरुवार को कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन हुआ। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके, यूट्यूबर ध्रुव राठी और एक्टर प्रकाश राज SIR रद्द करने और CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए।

>> (शेष पेज 06 पर)



10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी का प्रदर्शन

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच पार्टी 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन करेगी। दीपके ने 2 अक्टूबर की रात एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि अगर ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते हैं, उन्होंने यह भी कहा था कि अगर दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर तक पहुंचने से रोका, तो जहां उन्हें रोका जाएगा, वहीं पर जंतर-मंतर बनेगा।

आईआईआईटी परिसर जलमग्न, आपदा प्रबंधन दफ्तर तक पहुंची गोमती, फर्रुखाबाद में ओले गिरे

बाढ़ के बीच बारिश पलासियो मॉल टापू बना

समस्या

- रायबरेली में सई नदी उफान पर, घरों में घुसा पानी
- लखनऊ में बाढ़ बढ़ी, आईआईआईटी कैंपस तक पहुंचा पानी हॉस्टल खाली कराया गया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में बाढ़ के बीच फिर से मौसम बिगड़ गया है। लखनऊ, वाराणसी, बाराबंकी, सीतापुर और उन्नाव समेत 6 शहरों में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। फर्रुखाबाद में ओले गिरे। तेज हवाओं की वजह से कई पेड़ गिर गए। लखनऊ में गोमती नदी का अब भी उफान पर है। जलस्तर 10वें दिन भी बढ़ रहा है। पलासियो मॉल टापू बन गया है। अगल-बगल की सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया है। इकाना स्टेडियम और आपदा प्रबंधन दफ्तर तक पानी पहुंच गया है। IIIT परिसर भी जलमग्न है। इसके चलते संस्थान को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। परीक्षाएं टाल दी गई हैं। फैजुल्लागंज इलाके में 40 हजार घरों में 8 दिन से 5-6 फीट तक पानी भरा है। आज 42 जिलों में बारिश का अलर्ट है। लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि यूपी के ऊपर पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हुआ है। इसके चलते मौसम बदला है। रायबरेली जिले में बारिश रुकने के बाद भी सई नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। करीब 10 गांव घिर गए हैं। लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में बाढ़ का पानी IIIT लखनऊ परिसर में घुसने के बाद संस्थान को अगले आदेश तक बंद कर दी गई हैं। बुधवार को होने वाली एमटेक परीक्षाएं भी बाढ़ की स्थिति को देखते हुए स्थगित कर दी गई हैं।



उन्नाव में बदला मौसम, बारिश से 3 डिग्री गिरा तापमान

उन्नाव में बुधवार देर रात अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हुई। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे तेज बारिश हुई। तापमान में करीब 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। फर्रुखाबाद में गुरुवार सुबह करीब 5 बजे अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। करीब 25 मिनट तक बारिश हुई। ओले भी गिरे। तेज हवा के कारण कई जगह पेड़ गिर गए।



> रायबरेली जिले में बारिश रुकने के बाद भी सई नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। करीब 10 गांव घिर गए हैं।

लखनऊ में बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंची मेयर सुषमा खर्कवाल

45 बीघा सरकारी जमीन पर प्लॉटिंग की जांच के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेसियों ने गुरुवार को मटकी लेकर प्रदर्शन किया। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदेश मुख्यालय से हजरतगंज की तरफ बढ़े। कुछ दूरी पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। यहां से कार्यकर्ता आगे नहीं बढ़ सके तो बैरिकेडिंग पर चढ़ने लगे।

इस पर पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेना शुरू कर दिया। इस दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू भी हिरासत में ले लिए गए। कांग्रेसियों ने हाथ में काली पट्टी बांध रखी थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लोकतंत्र का हत्यारा बताया। प्रदर्शन दोपहर 3:30 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम हजरतगंज जाने का था, लेकिन पुलिस ने पार्टी दफ्तर के बाहर रोक लिया।



यह प्रदर्शन चुनावी प्रक्रिया को लेकर पार्टी की ओर से उठाए जा रहे सवालों के समर्थन में था। कांग्रेस ने देशव्यापी प्रदर्शन के तहत 8 अक्टूबर को राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था। इसी को लेकर कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस की ओर से ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर लगातार प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इससे पहले भी लखनऊ में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की थी और कुछ नेताओं-कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया था।

फास्ट न्यूज

डिवाइडर से टकराने पर बाइक सवार की मौत

दुबग्गा। लखनऊ में डिवाइडर से टकराने पर तेज रफ्तार बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर एक युवक की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे युवक को भी चोटें आई हैं। परिजनों ने गुरुवार को गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। काकोरी थाना क्षेत्र में मोहिउद्दीनपुर ब्रिज पर बुधवार रात की है। पुलिस के मुताबिक बुधवार रात करीब नौ बजे मोहिउद्दीनपुर ब्रिज पर हादसे की सूचना मिली थी।

नाना पाटेकर ने विलक्षण अभिनय से भारतीय सिनेमा को किया समृद्ध

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रख्यात अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक जताया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा कि प्रख्यात अभिनेता, रंगमंच के सशक्त कलाकार एवं संवेदनशील समाजसेवी 'पद्म श्री' नाना पाटेकर जी का निधन कला जगत की अपूरणीय क्षति है।

मुख्यमंत्री ने लिखा कि नाना पाटेकर ने अपने विलक्षण अभिनय से भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया और अपने सामाजिक सरोकारों से समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी अभिव्यक्त किया।

75 जिलों के एनएचएम कर्मियों का प्रदर्शन

बोलीं- लंबे समय से संविदा पर काम कर रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में गुरुवार को इको गार्डन में प्रदेश के 75 जिलों से आए NHM कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। NHM संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले हुए प्रदर्शन में हजारों कर्मचारी शामिल हुए। कर्मचारियों ने नियमित करने, समान काम-समान वेतन, आउटसोर्स कर्मचारियों को NHM में शामिल करने और ट्रांसफर की सुविधा देने की मांग की। इस दौरान उन्होंने जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में ANM, स्टाफ नर्स, LT, फार्मासिस्ट, डॉक्टर, CHO और एडमिन स्टाफ समेत कई संवर्गों के कर्मचारी शामिल रहे। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से संविदा पर काम कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस फैसला नहीं हुआ है। संघर्ष समिति की प्रदेश संयोजिका सुनैना अरोड़ा ने कहा कि कर्मचारी 28 साल तक संविदा पर काम करते हुए अपना जीवन खपा चुके हैं। इसके बावजूद उन्हें स्थायी कर्मचारी का दर्जा नहीं मिला। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर 28 साल तक लगातार काम करने वाला कर्मचारी भी नियमितीकरण के योग्य नहीं है तो सरकार के हिसाब से नियमितीकरण की परिभाषा क्या है? उन्होंने कहा कि संविदा और आउटसोर्सिंग की व्यवस्था कर्मचारियों की कमर तोड़ रही है। कर्मचारी कम वेतन में अपनी जान जोखिम में डालकर स्वास्थ्य सेवाओं और विभिन्न कार्यक्रमों में काम कर रहे हैं।



रोजगार के साथ ही प्रदेश के शिक्षण संस्थानों को भी उपलब्ध होगा आवश्यक मानव संसाधन

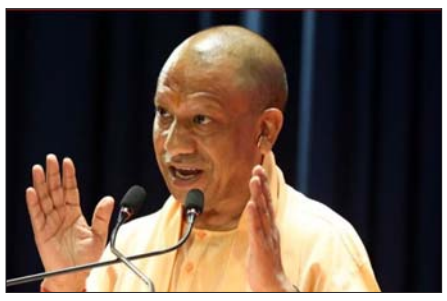
एक लाख नौकरियों के लक्ष्य को मिली रफ्तार

- शिक्षा में 17 हजार से अधिक पदों पर भर्ती
- भर्ती प्रक्रिया में प्राचार्य से लेकर सहायक अध्यापक तक के पद शामिल
- माध्यमिक शिक्षा में 3,504 पद
- बेसिक शिक्षा में 11,508 पदों की बड़ी भर्ती

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार का मिशन रोजगार तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छह माह में एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया तेज की जा रही है। इसी क्रम में शिक्षा क्षेत्र में ही 17,059 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की ओर से वर्ष 2026 में जारी भर्ती विज्ञापनों में उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण पद शामिल हैं। इन भर्तियों के जरिए बड़ी संख्या में युवाओं को सरकारी सेवा में आने का अवसर मिलेगा, साथ ही प्रदेश के शिक्षण संस्थानों को भी आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक के 897 पद तथा प्रवक्ता (पीजीटी) के 2,607 पद शामिल हैं। सहायक अध्यापक पदों के लिए परीक्षा 3 और 4 दिसंबर 2026, जबकि प्रवक्ता पदों के लिए परीक्षा 15 और 16 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित है। शिक्षा क्षेत्र में प्रस्तावित भर्तियों में सबसे बड़ी हिस्सेदारी बेसिक शिक्षा विभाग की है। यहां सहायक अध्यापक प्राथमिक शहरी (अर्बन) के 11,508 पद विज्ञापित किए गए हैं। इन पदों के लिए परीक्षा 3 और 4 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित है।

इसके अतिरिक्त बेसिक शिक्षा विभाग में विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा (स्पेशल टीईटी) भी आयोजित की जा रही है।





> योगी सरकार के छह माह में एक लाख भर्ती के संकल्प में शिक्षा क्षेत्र की बड़ी हिस्सेदारी

उच्च शिक्षा में 2,047 पदों पर अवसर

आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार के अनुसार, उच्च शिक्षा विभाग में प्राचार्य के 111 पद और सहायक आचार्य (असिस्टेंट प्रोफेसर) के 1,936 पद विज्ञापित किए गए हैं। सहायक आचार्य पदों के लिए परीक्षा 19 और 20 नवंबर 2026 को प्रस्तावित है। इस भर्ती से उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की उपलब्धता बढ़ाने के साथ बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा।

योगी सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिकीकरण और तकनीक पर दिया जोर

योगी सरकार ने 17 हजार करोड़ से बदली यूपी की जेलों की सूरत

> पिछले नौ वर्षों में जेल विभाग के बजट में 215 फीसदी का इजाफा
> वर्ष 2017-18 में 913 करोड़ से बढ़कर 2026-27 में 2,877 करोड़ हुआ बजट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश की जेल व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और बेहतर सुविधाओं से लैस करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। इस दौरान जेलों के इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिकीकरण और नई तकनीक पर विशेष जोर दिया गया। इसके लिए योगी सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च की। इसमें सबसे अधिक धनराशि जेलों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च की गयी।

उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में जेल विभाग के लिए बजट में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2017-18 में जेल विभाग के लिए कुल 913.07 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया था। इसके मुकाबले वित्तीय वर्ष 2026-27 में यह बढ़कर 2,877.58 करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि में जेल विभाग के बजट में करीब 215 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2021-22 के बीच जेल विभाग के लिए कुल 5,494.41 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया जबकि वर्ष 2022-23 से 2026-27 तक यह राशि बढ़कर 11,913.53 करोड़ रुपये हो गई। यह बढ़ोतरी योगी सरकार की ओर से जेलों के विकास और आधुनिकीकरण को दी जा रही प्राथमिकता को दर्शाती है।



जेल विभाग के बजट में 215 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

डीजी, कारागार एवं सुधार सेवाएं पीसी मीना ने बताया कि योगी सरकार ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही जेलों की व्यवस्थाओं को भी समय के अनुरूप बनाने पर जोर दिया है। योगी सरकार के प्रयासों से प्रदेश की जेल व्यवस्था में एक ओर जहां क्षमता विस्तार हो रहा है, वहीं दूसरी ओर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीक के जरिए सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है।

जेलों में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

डीजी ने बताया कि योगी सरकार की ओर से प्रदेश में नई जेलों के निर्माण के साथ ही बंदी क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। अमेठी में 176.12 करोड़, महोबा में 203.42 करोड़, हाथरस में 184.94 करोड़, कुशीनगर में 228.31 करोड़, जौनपुर में 179.79 करोड़, और हापुड़ में 190.08 करोड़ की लागत से जिला कारागार का निर्माण किया जा रहा है।

नई जेलों के निर्माण के साथ ही प्रस्तावित कारागारों के लिए भूमि की खरीद की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। संभल में प्रस्तावित जेल के लिए शासन की ओर से 24.56 करोड़, शामली में 96.20 करोड़, बलिया में 24.12 करोड़, सहारनपुर में 50.87 करोड़, अमरोहा में 32.28 करोड़ और चंदौली में 34.27 करोड़ रुपये भूमि के लिए स्वीकृत किए गये हैं।

बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंची मेयर सुषमा खर्कवाल

45 बीघा सरकारी जमीन पर प्लॉटिंग की जांच के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्यों का जायजा लेने के लिए मेयर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ कई क्षेत्रों का निरीक्षण किया। मेयर के निरीक्षण के दौरान पार्षद रोशनी रावत ने गोमती नदी के किनारे 45 बीघा नगर निगम की सरकारी जमीन पर भूखंड काट कर बेचने की शिकायत की। मेयर ने साथ में मौजूद नगर आयुक्त गौरव कुमार को नगर निगम की जमीन पर भूखंड काटने की जांच के निर्देश दिए।

महापौर के इस निर्देश से नगर निगम के अफसरों में भी हड़कंप मच गया। इससे पहले मेयर नाव से हयात नगर, सेहठा गांव और गुल्मी खेड़ा पहुंचीं। इससे पहले जोन-3 के लोहरामऊ, फैजुल्लागंज, दाउद नगर और मिल्लत नगर का भी जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। लोगों को भोजन के पैकेट, पीने का पानी और जरूरी दवाएं बांटी गईं। मेयर ने बाढ़ प्रभावित इलाके में लगाए गए हेल्थ कैंप का भी निरीक्षण किया। उन्होंने डॉक्टरों और हेल्थ टीम से दवाओं और इलाज की व्यवस्था की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों को समय पर इलाज और दवाएं मिलनी चाहिए। स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी समस्या पर तुरंत कार्रवाई की जाए।

मेयर ने बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया।



सिम बंद कर रिटायर्ड अधिकारी के 33 लाख उड़ाए

लखनऊ । लखनऊ में औद्योगिक विकास विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी साइबर ठगी के शिकार हो गए। आरोपियों ने उनकी मोबाइल सिम बंद रहने के दौरान बैंक खाते से करीब 33 लाख रुपए निकाल लिए। सिम दोबारा चालू होने के बाद पासबुक अपडेट कराने पर उन्हें ठगी की जानकारी हुई। पीड़ित ने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

संदेश : भागवत कथा में शामिल हुए सपा अध्यक्ष, कहा- सत्ता आती-जाती रहती है, प्रेम टूटा तो समाज टूट जाएगा

प्रेम और समानता से ही मजबूत होगा समाज : अखिलेश यादव

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सपा नेता एवं पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय के पैतृक घर कृष्णापुर, खानपुर रसूलाबाद में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल होकर व्यास पीठ का पूजन किया और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या की पावन धरती पर सभी हरिभक्त मिलकर जय राधेश्याम बोल रहे हैं। यही हमारे समाज, देश और संस्कृति की खूबसूरती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार चुनाव आने वाला है और ऐसे समय में भागवत कथा का अमृतपान करने के लिए एकजुट होना सौभाग्य की बात है। अखिलेश यादव ने कहा कि आज समाज कई तरह के बंधनों और व्यथाओं से घिरा हुआ है। कहीं अहंकार और सत्ता का बंधन है तो कहीं जाति, भेदभाव, छुआछूत और ऊंच-नीच की दीवारें हैं। ऐसे समय में भागवत कथा की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे लिए प्रभु श्रीकृष्ण ही प्रभु श्रीराम हैं और प्रभु श्रीराम ही प्रभु श्रीकृष्ण हैं।







सत्ता आती-जाती रहती है, प्रेम टूटा तो समाज टूट जाएगा

अखिलेश यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सिखाया है कि सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन प्रेम टूट गया तो समाज टूट जाएगा। उन्होंने कहा कि आज के समय में प्रेम और समानता के महाकाव्य को संविधान कहते हैं, इसलिए संविधान की रक्षा करना जरूरी है। उन्होंने सुदामा और श्रीकृष्ण के संबंध का उदाहरण देते हुए कहा कि गरीब मित्र को भी बराबर का सम्मान देना सामाजिक न्याय की मिसाल है। उनके मुताबिक भागवत कथा का कृष्ण राज्य प्रेम, दया, अपनापन और बंधुत्व पर आधारित था, जहां अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को भी समान सम्मान मिलता था।

संतों ने अखिलेश को पहनाई माला, गदा भेंटकर दिया आशीर्वाद

भागवत कथा में जगतगुरु डॉ. राघवाचार्य जी महाराज ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया। इस दौरान सांसद अवधेश प्रसाद समेत बड़ी संख्या में संत-महंत और श्रद्धालु मौजूद रहे। कथा के समापन अवसर पर संतों और महंतों ने अखिलेश यादव को माला पहनाकर गदा भेंट की और उन्हें 'विजयी भव' का आशीर्वाद दिया।

हाथों में हथकड़ी, चेहरे पर ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पैरों से रौंदकर जलाया पुतला

कैदी की ड्रेस में सपाइयों का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में समाजवादी पार्टी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। सैकड़ों सपा कार्यकर्ता जिला पार्टी कार्यालय से कलेक्ट्रेट की ओर पैदल मार्च करते हुए पहुंचे। प्रदर्शन में कुछ कार्यकर्ता चेहरे पर ज्ञानेश कुमार का स्टिकर लगाकर पहुंचे। उन्होंने कैदी की पोशाक पहन रखी थी और हाथों में हथकड़ी थी। कई कार्यकर्ता हाथों में डफली लेकर नारेबाजी करते नजर आए।

ज्ञानेश कुमार के पुतले को लेकर सपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच खींचतान भी हुई। कार्यकर्ताओं ने पुतले को पैरों से रौंदकर विरोध जताया। बाद में कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंक दिया। प्रदर्शन के बाद सपा कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। समाजवादी पार्टी ने 2 से 8 अक्टूबर तक 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह, वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान चलाया है। इसके तहत जिला स्तर पर मार्च और प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

पार्टी का आरोप है कि मतदाता सूची में बदलाव और एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। सपा मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे के साथ चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रही है।

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर बैठकर प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान ज्ञानेश कुमार के पुतले को लेकर सपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच खींचतान हुई।



वकीलों और सपा कार्यकर्ताओं ने फूंका ज्ञानेश कुमार का पुतला

जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर वकीलों और सपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंककर विरोध जताया। इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई। सपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतले को जलाकर विरोध जताया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की।

कानपुर में अफसर-ठेकेदार मिलकर चला रहे थे टेंडर सिंडीकेट, जल्द बड़ा एक्शन होगा

नगर निगम के ठेकों में माफियावाद की जांच पूरी

जांच

तमसा सकेंत, एजेंसी



कानपुर। कानपुर नगर निगम के टेंडरों में कथित अनियमितताओं और ठेकेदारों के सिंडिकेट की जांच अब पूरी हो गई है। मंडलायुक्त के. विजयेन्द्र पांडियन ने जांच के बाद गोपनीय रिपोर्ट शासन को भेज दी है। रिपोर्ट में नगर निगम के टेंडरों में फर्मों के एक समूह द्वारा बार-बार काम हासिल करने और पंजीकरण व टेंडर प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों में मिली गड़बड़ियों का उल्लेख किया गया है। माना जा रहा है कि शासन स्तर से रिपोर्ट के आधार पर नगर निगम के संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ आगे कार्रवाई की जा सकती है। मंडलायुक्त के मुताबिक नगर निगम में करीब 15 से 20 फर्मों का एक कॉकस बना हुआ था। आरोप है कि इसी समूह से जुड़ी फर्में बार-बार नगर निगम के काम हासिल कर रही थीं। जांच के बाद संबंधित फर्मों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई और उन्हें ब्लैकलिस्ट किया गया। मामले की जांच के दौरान इन फर्मों के पंजीकरण दस्तावेजों और उनके माध्यम से हासिल किए गए विभिन्न टेंडरों की भी पड़ताल की गई। जांच में कई स्तरों पर अनियमितताएं सामने आने की बात कही गई है। नगर निगम में करीब 400 फर्में पंजीकृत हैं। इनमें से 27 बड़े ठेकेदार हॉट मिक्स प्लांट से जुड़े बताए जाते हैं।

मंडलायुक्त के. विजयेन्द्र पांडियन ने बताया कि- जांच रिपोर्ट शासन को भेजी जा चुकी है। रिपोर्ट में जिन लोगों की भूमिका सामने आई है, उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। अब शासन स्तर से जल्द ही आगे की कार्रवाई होगी।

पांच फर्म ब्लैकलिस्ट, छह ठेकेदारों पर एफआईआर

टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताएं मिलने के बाद अब तक पांच फर्मों को ब्लैकलिस्ट किया जा चुका है। वहीं छह ठेकेदारों के खिलाफ फजलगंज और स्वरूपनगर थानों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। वहीं, ठेकेदारों के कथित सिंडिकेट से जुड़े गोविंद शर्मा ने गिरफ्तारी पर स्टे हासिल कर लिया था। इसके बाद अब पुलिस की एसआईटी उससे भी पूछताछ कर रही है और मामले में उसकी भूमिका से जुड़े तथ्यों को खंगाला जा रहा है।

तीन सदस्यीय समिति ने की दस्तावेजों की जांच

मंडलायुक्त के निर्देश पर सीडीओ अनुभव जे. जैन की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई थी। समिति में लोक निर्माण विभाग और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिकारियों को भी शामिल किया गया था। समिति ने नगर निगम में पंजीकृत करीब 15 से 20 फर्मों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की। इसके साथ ही इन फर्मों द्वारा हासिल किए गए टेंडरों की प्रक्रिया को भी खंगाला गया। जांच में फर्मों के पंजीकरण के दौरान लगाए गए कागजात और टेंडर से संबंधित दस्तावेजों में कई तरह की गड़बड़ियां सामने आईं।

रातभर खंती में पड़े रहे बाइक सवार, सुबह एक की मौत

हरदोई में कटरा-उन्नाव हाईवे पर अनियंत्रित बाइक गहरी खंती में गिरी, एक युवक घायल

तमसा सकेंत, एजेंसी



हरदोई। सवायजपुर कोतवाली क्षेत्र में कटरा-उन्नाव हाईवे पर बुधवार रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खितौली गांव के मोड़ के पास एक अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे गहरी खंती में जा गिरी। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और पूरी रात घटनास्थल पर ही पड़े रहे। गुरुवार सुबह ग्रामीणों की नजर खंती में पड़े दोनों युवकों पर पड़ी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो बाइक चला रहे मोनू उर्फ उत्कर्ष की मौत हो चुकी थी, जबकि उसका साथी नन्हे उर्फ प्रतीक घायल अवस्था में मिला। सवायजपुर कोतवाली क्षेत्र के नगरा मजरा कन्हारी निवासी नन्हे उर्फ प्रतीक (25) और मोनू उर्फ उत्कर्ष (30) बुधवार रात बाइक से सवायजपुर से अपने घर लौट रहे थे। दोनों खितौली गांव के मोड़ के पास पहुंचे ही थे कि अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई।

बाइक नियंत्रण से बाहर होने के बाद हाईवे से नीचे गहरी खंती में जा गिरी। बाइक के साथ दोनों युवक भी खंती में जा गिरे। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। रात का समय होने के कारण काफी देर तक किसी को हादसे की जानकारी नहीं हो सकी और दोनों युवक पूरी रात घटनास्थल पर ही पड़े रहे। गुरुवार सुबह ग्रामीण हाईवे से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर सड़क किनारे गहरी खंती में पड़े दोनों युवकों पर पड़ी। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही सवायजपुर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। थानाध्यक्ष प्रिंस कुमार के मुताबिक सुबह करीब छह बजे सूचना मिलने पर पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों युवकों को खंती से बाहर निकाला। जांच के दौरान मोनू उर्फ उत्कर्ष की मौत हो चुकी थी, जबकि नन्हे उर्फ प्रतीक घायल अवस्था में मिला।

फास्ट न्यूज

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

उन्नाव। असोहा के पितनाखेड़ा में एक सीमेंट फैक्ट्री में 22 साल के युवक तहजीब का शव मिला। उसका शव टीन की बल्ली से प्लास्टिक की रस्सी के सहारे लटका मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा और तहजीब का फोन अपने पास लिया। तहजीब बांगरमऊ के जोगीकोट गांव का था। उसके पिता रहीश अहमद की पितनाखेड़ा में किराए पर सीमेंट फैक्ट्री है, जिसे वह भाई जावेद के साथ देखता था।

बाराबंकी में एक ही परिवार के 4 घरों में चोरी

बाराबंकी। बाराबंकी के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के देवापुर गांव में एक ही परिवार के चार भाइयों के घरों में चोरी हो गई। चोर लाखों रुपये के जेवर, नकदी और घर में रखा अनाज भी ले गए। यह वारदात रात के समय हुई। चोरों ने मकान के पीछे की दीवार में नकब लगाया और उसी रास्ते घर में घुस गए। उन्होंने चारों घरों का सामान खंगाला और जेवर, नकदी के साथ गेहूं और सरसों का तेल भी चुरा लिया। सुबह जब परिवार के लोग जागे, तो उन्होंने घर का सामान बिखरा देखा। जांच करने पर उन्हें पीछे की दीवार में नकब लगा मिला। परिजनों ने तुरंत लोनी कटरा पुलिस को इसकी सूचना दी।

श्री श्यामा टुबैको इंडस्ट्रीज पर जीएसटी का छापा

रायबरेली। रायबरेली में श्री श्यामा टुबैको इंडस्ट्रीज के कई ठिकानों पर जीएसटी विभाग ने छापा मारा है। लखनऊ से आई टीम चार से ज्यादा जगहों पर कार्रवाई कर रही है। टीम फैक्ट्री, गोदाम और ऑफिस समेत कई ठिकानों की जांच कर रही है। इसमें बस्ती के बीच चल रही एक फैक्ट्री भी शामिल है। अधिकारी श्री श्यामा के अन्य प्रोडक्ट्स की जीएसटी खंगाल रहे हैं। कर्मचारियों के मोबाइल भी जब्त कर जांच-पड़ताल की जा रही है।

कमरे में फंदे से लटका मिला युवक का शव

परिजनों ने उधारी को लेकर दबाव की आशंका जताई

तमसा सकेंत, एजेंसी



रामनगर। बाराबंकी में रामनगर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिछलखा में गुरुवार को युवक का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। पिता खेत से काम करके घर लौटे तो बेटे को कमरे में लोहे के छल्ले के सहारे लटका देखा। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। करीब दो साल पहले शादी हुई थी। पति की मौत की खबर सुनकर पत्नी विनीता का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के मुताबिक, पिता रामफेर लोधी गुरुवार को खेत में काम करने गए थे। घर लौटने पर उन्होंने कमरे में बेटे को फंदे पर लटका देखा। 22 वर्षीय हरिओम ने भगवा रंग के गमछे का इस्तेमाल किया था। घटना की जानकारी होते ही आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों का कहना है कि हरिओम ने कुछ लोगों से रुपये उधार ले रखे थे। उनका आरोप है कि उधारी की रकम को लेकर उसे परेशान किया जा रहा था। परिजनों ने इसी दबाव को घटना की वजह होने की आशंका जताई है। हालांकि युवक ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। सूचना पर उपनिरीक्षक संतोष कुमार दीक्षित, उपनिरीक्षक ललित कुमार और मुख्य आरक्षी अतुल वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

48 घंटे में इस्तीफा न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी, राहुल गांधी से दुर्व्यवहार का भी विरोध

उन्नाव में कांग्रेस का प्रदर्शन, सीईसी के इस्तीफे की मांग

तमसा सकेंत, एजेंसी

कांग्रेस नेता तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि राहुल गांधी लगातार लोकतांत्रिक अधिकारों और जनता के मुद्दों को लेकर सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं होना गंभीर सवाल खड़े करता है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते, उनका संघर्ष जारी रहेगा।



उन्नाव। उन्नाव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुरुवार दोपहर शहर में विरोध प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर जिला कांग्रेस कार्यालय से जिला निर्वाचन कार्यालय तक प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग उठाई। कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में राहुल गांधी और अन्य सांसदों के साथ पुलिस द्वारा किए गए कथित दुर्व्यवहार का भी विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जिस तरह से राहुल गांधी समेत सांसदों को पुलिस ने रोका और घसीटा, उसके विरोध में प्रदेशभर में प्रदर्शन किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसी के विरोध में जिला कांग्रेस कार्यालय से जिला निर्वाचन कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला गया। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर किया गया है और इसका उद्देश्य चुनाव आयोग के समक्ष अपनी मांग रखना है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे के लिए 48 घंटे का समय देने की बात कही।



निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर जताया विरोध

जिला कांग्रेस कार्यालय से निकला प्रदर्शन जिला निर्वाचन कार्यालय तक पहुंचा। यहां कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर अपनी मांग रखी। नेताओं ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए पारदर्शिता जरूरी है। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। नेताओं ने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराती रहेगी। कांग्रेस के प्रदर्शन के चलते जिला निर्वाचन कार्यालय के आसपास कुछ देर राजनीतिक गतिविधियां तेज रहीं।

तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि यदि 48 घंटे के भीतर इस्तीफा नहीं दिया गया तो कांग्रेस कार्यकर्ता आंदोलन को और व्यापक करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद प्रदेश और देशभर में राहुल गांधी के समर्थन में आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज करा रही है, लेकिन मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन को तेज किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने कहा कि चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों और मताधिकार की रक्षा के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा।

करंट से युवक की हुई मौत, परिजनों ने किया हंगामा

पुलिस पर निजी काम कराने का लगाया आरोप

हरदोई मेडिकल कॉलेज के गेट पर पहुंच गए और सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

तमसा संकेत, एजेंसी



हरदोई। हरदोई के सवायजपुर क्षेत्र के रूपापुर में 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलसे सूरज (24) की इलाज के दौरान मौत हो गई। बुधवार को हादसे के बाद उसे सीएचसी सवायजपुर से जिला अस्पताल रेफर किया गया था। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही गुरुवार को बड़ी संख्या में परिजन हरदोई मेडिकल कॉलेज के गेट पर पहुंच गए और सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों ने हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई और परिवार को जल्द मुआवजा दिलाने की मांग की। मृतक के मामा अजय का आरोप है कि सूरज रूपापुर में जूता पॉलिश का काम करता था और उसे कैमरा लगाने का काम नहीं आता था। इसके बावजूद उससे यह काम कराया जा रहा था। परिवार का कहना है कि अगर उससे उसकी जानकारी के मुताबिक ही काम कराया जाता तो हादसा टल सकता था। मामा अजय के मुताबिक 7 अक्टूबर को सूरज को रूपापुर में एक खंभे पर कैमरा लगाने के लिए कहा गया था। वह लोहे की सीढ़ी लेकर जा रहा था। मुंडेर की तरफ से रूपापुर जाते समय पेट्रोल पंप के पास सीढ़ी ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन से छू गई। करंट उतरने से सूरज गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद सूरज को उपचार के लिए सीएचसी सवायजपुर ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल हरदोई रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूरज की मौत से पत्नी, बेटी और बुजुर्ग माता-पिता के सामने परिवार चलाने का संकट खड़ा हो गया है। गुरुवार को सूरज के परिजन बड़ी संख्या में मेडिकल कॉलेज के गेट पर पहुंचे और सड़क पर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

कांग्रेस और सपा ने किया प्रदर्शन, ज्ञानेश कुमार का पुतला भी फूंका

तमसा सकेंत, एजेंसी



हरदोई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर गुरुवार दोपहर 2:15 बजे सपा और कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। दोनों दलों ने काला दिवस मनाया। कार्यकर्ताओं ने मतदाता अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई। समाजवादी पार्टी ने 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' और 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और पूर्व सांसद ऊषा वर्मा की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने संविधान और मताधिकार की रक्षा की मांग उठाई। ऊषा वर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक का वोट उसकी सबसे बड़ी ताकत है। पार्टी संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। पूर्व विधायक राजेश्वरी देवी ने कहा कि वोटर लिस्ट की गड़बड़ियों पर सवाल पूछने का अधिकार सभी को है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा देने की मांग की। पूर्व जिलाध्यक्ष पदमराज सिंह पम्मू ने कहा कि जनता भाजपा की नीतियों से त्रस्त है। प्रदर्शन में आकाश वर्मा, प्रफुल्ल वर्मा, रामज्ञान गुप्ता, रहमत अली मोनू और डॉ. अरुण मौर्या समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन में अवध कुमार सिंह बागी, अजय सिंह, सुशांत पाल, मोहन सिंह, मंजूलता मित्रा, सुनीता देवी, शरीफ अंसारी, मोहिनी देवी, रामबाबू गौतम और आशीष पाल समेत दोनों दलों के सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस ने गांधी प्रतिमा से निकाला मार्च

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विक्रम पांडे के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने गांधी प्रतिमा से कलेक्ट्रेट परिसर तक विरोध मार्च निकाला। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। विक्रम पांडे ने कहा कि चुनावी व्यवस्था से जुड़े हर सवाल पर पारदर्शिता और जवाबदेही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने मतदाता सूची की गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच की मांग की। शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त के तत्काल इस्तीफे की मांग की।

मौत : दायां फेफड़ा भी फटा, 800 वर्गफीट जमीन के बंटवारे में युवक की हत्या, पिता-भाई गिरफ्तार

पोस्टमार्टम में सिर-छाती समेत 7 चोटें मिलीं

तमसा संकेत, एजेंसी



उन्नाव। पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में 26 वर्षीय युवक की मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर गंभीर चोटों की पुष्टि हुई है। गुरुवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे जिला अस्पताल के डॉक्टर मनीष चौरसिया ने दिलशाद उर्फ पप्पू के शव का पोस्टमार्टम किया। रिपोर्ट के अनुसार युवक के सिर, छाती, चेहरे और हाथ समेत शरीर पर कुल सात चोटें मिली हैं। चोट इतनी गंभीर थी कि उसका दायां फेफड़ा भी फट गया था। मामले में मृतक की पत्नी सोफिया की तहरीर पर पुलिस ने बुधवार शाम मृतक के पिता समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने मृतक के पिता मुर्तजा और भाई इरशाद को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं, नामजद तीन अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमों द्वारा दबिश दी जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों के मुताबिक, घटना से एक दिन पहले मंगलवार शाम को घर में वाशिंग मशीन रखने को लेकर दिलशाद की पत्नी सोफिया का ससुराल पक्ष के लोगों से विवाद हुआ था। सोफिया ने इस दौरान मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया था। इसकी जानकारी मिलने के बाद दिलशाद ने परिवार के सदस्यों से बातचीत की थी। बताया जा रहा है कि इस विवाद के बाद परिवार में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। बुधवार को पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर दोबारा विवाद हुआ और इसी दौरान दिलशाद पर हमला किए जाने का आरोप है।

पिता और भाई हिरासत में, तीन आरोपियों की तलाश

सोफिया की तहरीर पर पुलिस ने मुर्तजा पुत्र पठान, एजाज, शहजाद, इरशाद पुत्रगण मुर्तजा और दिलशाद पुत्र पीरू निवासी सुल्तानपुर के खिलाफ बीएनएस की धारा 191(2), 352 और 103(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

800 वर्गफीट जमीन के बंटवारे को लेकर चल रहा था विवाद

पुलिस के मुताबिक परिवार में करीब 800 वर्गफीट पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। बुधवार को इसी विवाद को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच कहासुनी हुई। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। आरोप है कि इसी दौरान दिलशाद पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले के बाद दिलशाद जान बचाने के लिए घर से बाहर भागा। बताया जा रहा है कि वह कुछ दूरी तक पहुंचा, लेकिन गंभीर चोटों के कारण सड़क पर गिर पड़ा। परिजन उसे आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम कराया।

घटना के बाद मोहल्ले में पुलिस तैनात

युवक की मौत के बाद एहतियात के तौर पर मोहल्ले में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल क्षेत्र में स्थिति सामान्य है। परिवार के लोगों से पूछताछ के साथ ही पुलिस विवाद की शुरुआत और हमले के दौरान मौजूद लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। भूमिका जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट होगी।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के अमित को नई जिम्मेदारी मिली

रिसर्च डिपार्टमेंट में स्टेट को-हेड बने, पद मिलने के बाद पहली बार उन्नाव पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी



उन्नाव। उन्नाव में भाजपा ओबीसी मोर्चा उत्तर प्रदेश के रिसर्च डिपार्टमेंट में स्टेट को-हेड की जिम्मेदारी मिलने के बाद अमित मौर्य गुरुवार दोपहर 2 बजे पहली बार उन्नाव पहुंचे। यहां समर्थकों और शुभचिंतकों ने उनका स्वागत किया। फूल-मालाएं पहनाईं और मिठाई खिलाकर बधाई दी। अमित मौर्य के पहुंचते ही समर्थकों में उत्साह नजर आया। लोगों ने फूल-मालाएं पहनाकर नई जिम्मेदारी मिलने पर खुशी जताई। समर्थकों ने कहा कि संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा आई है। समर्थकों ने कहा कि रिसर्च डिपार्टमेंट में स्टेट को-हेड की जिम्मेदारी मिलने से संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। रिसर्च से जुड़े कामों को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। ओबीसी समाज और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर भी काम को गति मिलने की उम्मीद जताई गई। अमित मौर्य ने स्वागत के लिए समर्थकों और शुभचिंतकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। रिसर्च डिपार्टमेंट से जुड़े कामों को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाने के साथ संगठन की नीतियों और विचारों को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। समर्थकों ने अमित मौर्य को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उनकी नई भूमिका से संगठन के रिसर्च कार्यों और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सम्पादकीय

मोदी शासन के 25 वर्ष



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने प्रशासनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देश के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने का संकल्प व्यक्त करते हुए यह जो कहा कि वे विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे, वह एक कठिन लक्ष्य अवश्य है, लेकिन असंभव नहीं।

इसका कारण यह है कि उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर इस राज्य की तस्वीर बदलने में ऐसी सफलता प्राप्त की कि उनके गुजरात माडल ने देश का ध्यान अपनी ओर खींचा और इसी कारण वे प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए। प्रधानमंत्री बनते ही उन्होंने मनमोहन सरकार की नीतिगत पंगुता से उपजे निराशाजक माहौल को दूर किया और शासन के तौर-तरीके में बुनियादी बदलाव लाए। अपने 12 साल के कार्यकाल में उन्होंने ऐसी छाप छोड़ी है कि उसकी कोई भी अनदेखी नहीं कर सकता। उन्होंने अर्थव्यवस्था से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा तक एक साथ कई मोर्चों पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की और देश को प्रगति पथ पर तेजी के साथ अग्रसर किया। उनकी जनकल्याणकारी और विकास योजनाओं के चलते आज देश की भी तस्वीर बदल चुकी है। यह संभव हुआ उनकी प्रबल राजनीतिक इच्छाशक्ति और साहसिक फैसले लेने की क्षमता के कारण। उनकी कार्यशैली ने देश के साथ दुनिया का भी ध्यान अपनी ओर खींचा तो इसीलिए कि उन्होंने अपनी योजनाओं को प्रभावी तरीके से अमल में लाकर किसी न किसी रूप में हर भारतीय के जीवन को प्रभावित किया। इसी के साथ उन्होंने अपनी विदेश नीति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारत का मान भी बढ़ाया। इसी कारण वे पिछले एक दशक से अधिक समय से विश्व के लोकप्रिय शासकों में शीर्ष पर अपना स्थान बनाए हुए हैं। इतने लंबे समय तक किसी शासक का देश-विदेश में लोकप्रिय बने रहना अपने आप में एक उपलब्धि है। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से लिए गए ऐसे फैसलों की एक लंबी सूची है, जिन्होंने उन्हें एक सक्षम शासक के रूप में स्थापित करने के साथ ही यह भी सिद्ध किया कि वे कठिन से कठिन चुनौतियों का सामना करना और उनसे पार पाना जानते हैं। उनके शासन की एक विशेषता यह भी रही कि उन्होंने देश के स्वाभिमान और संस्कृति को भी शिखर पर ले जाने का काम किया, लेकिन अब जब वे विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रतिबद्धता जता रहे हैं, तब यह भी ध्यान रखना होगा कि इस लक्ष्य के सामने कुछ बाधाएं हैं। इनसे पार पाने के लिए सबसे अधिक आवश्यक यह है कि देश की नौकरशाही अपना रवैया बदले। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि तमाम प्रगति और परिवर्तन के बावजूद कुछ मामलों में भारत अभी कुछ प्रमुख विकासशील देशों जैसा भी नहीं बन पाया है। इसके कारणों की पहचान कर उनका सही तरह निवारण करना मोदी शासन की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए।

नाना पाटेकरः अभिनय की आग में तपा असाधारण कलाकार

66

कला नाना के जीवन में आरंभ से थी। उन्होंने सर जे.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट में शिक्षा ली और व्यावसायिक कलाकार के रूप में काम किया। लेकिन उनका वास्तविक विद्यालय था रंगमंच।



भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देना है। नाना पाटेकर उन्हीं विरल कलाकारों में से एक थे। वे अभिनेता थे, रंगकर्मी थे, निर्देशक थे, लेखक थे, सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील नागरिक थे और भारतीय सेना के प्रति गहरे सम्मान एवं समर्पण का उदाहरण भी थे। उनकी आवाज में खुरदुरापन था, संवादों में धार थी, आंखों में आक्रोश और चेहरे पर जीवन के संघर्षों की सच्चाई। उन्होंने अभिनय को सजावटी कला नहीं बनाया, बल्कि उसे यथार्थ जीवन के अनुभवों, पीड़ा, संघर्ष, संवेदना और सामाजिक चेतना से जोड़ा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने एक ऐसा कलाकार खो दिया, जिसकी कोई दूसरी प्रतिकृति संभव नहीं है। वे अभिनय जगत के लिये एक अपरिहार्य नाम थे और ज्यादातर फिल्मप्रेमियों के लिये अजीज भी थे। नाना की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षो को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार हैं, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाह। नाना का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। उन्होंने अपने किरदार से राष्ट्रीयता की भावना को भी सुदृढ़ किया। नाना का सफरनामा पूरी तरह मायूस हो चुके किसी भी इंसान के लिये प्रेरणादायी अध्याय भी है, उत्साह की मिसाल भी है। नाना पाटेकर का वास्तविक नाम विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में हुआ। बचपन सामान्य था, लेकिन किशोरावस्था में ही परिवार आर्थिक संकट में घिर गया। पिता का कारोबार डूब गया और महज 13 वर्ष की उम्र में नाना को परिवार की मदद के लिए काम करना पड़ा। वे स्कूल के बाद मुंबई में फिल्म पोस्टर रंगते थे और करीब 35 रुपये महीने कमाते थे। काम पर जाने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और बदले में एक वक्त का भोजन भी मिलता था। गरीबी और अभाव ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि भीतर से गढ़ा। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि भूख और अपमान ने उन्हें जीवन को समझना सिखाया। मराठी रंगमंच की प्रख्यात निर्देशिका विजया मेहता के मार्गदर्शन में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। हमीदाबाईची कोठी जैसे नाटकों ने उन्हें गंभीर रंगकर्मी के रूप में पहचान दी। रंगमंच ने उन्हें संवाद बोलना ही नहीं, बल्कि संवाद के पीछे छिपी भावना को जीना सिखाया। नाना के करियर की शुरूआत फिल्म 'गमन' से हुई थी लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें फिल्म 'परिंदा' से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अच्छी फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। क्रांतिवीर, खामोशी, यशवंत, अब तक छप्पन, अपहरण, वेलकम, राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं। शुरुआती वर्षों की निराशाओं के बावजूद उन्होंने अपनी राह नहीं छोड़ी। अंकुश और सलाम बॉम्बे! जैसी फिल्मों ने उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाई। इसके बाद नाना पाटेकर ने एक के बाद एक ऐसे किरदार निभाए, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय की एक अलग भाषा निर्मित की। 'अंगार' में उनका नकारात्मक किरदार, 'तिरंगा' में देशभक्ति से ओतप्रोत शिवाजी राव वागले, 'क्रांतिवीर' में प्रखर और विद्रोही प्रताप नारायण तिलक, 'अग्निसाक्षी' में जटिल मानसिकता वाला पात्र और 'खामोशीः द म्यूजिकल' में संवेदनशील पिता-हर भूमिका में वे बिल्कुल अलग दिखाई दिए। क्रांतिवीर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, जबकि अग्निसाक्षी के लिए फिर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए। इस तरह वे तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाले विशिष्ट अभिनेताओं में शामिल हुए। नाना की अभिनयशैली का सबसे बड़ा गुण था स्वाभाविकता के भीतर तीव्रता। वे संवाद को केवल बोलते नहीं थे, उसे जीते थे। उनकी आवाज कभी धीमी फुसफुसाहट बन जाती तो कभी विस्फोट की तरह फूटती। उनका चेहरा, आंखों की हरकत, हाथों का इस्तेमाल, अचानक आने वाला ठहराव और फिर तेज गति से निकलते संवाद-इन सबका अपना नाटकीय व्याकरण था। उनकी संवाद-अदायगी इतनी विशिष्ट थी कि साधारण वाक्य भी उनके मुंह से निकलकर यादगार बन जाता था। वे संवादों को अभिनय से बड़ा नहीं होने देते थे, बल्कि अभिनय के माध्यम से संवाद को अर्थ देते थे।

नाना की लोकप्रियता का एक अलग अध्याय 'वेलकम' है। गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले नाना ने उदय शेट्टी के रूप में ऐसी कॉमेडी की कि नई पीढ़ी भी उनकी मुरीद हो गई। उनका "कंट्रोल, उदय, कंट्रोल!" जैसे संवाद और चेहरे के हावभाव आज भी लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा हैं। यह उनकी अभिनय-बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण था कि जो कलाकार परिंदा और क्रांतिवीर में दर्शकों को भीतर तक हिला सकता था, वही वेलकम में उन्हें खुलकर हंसा भी सकता था। 2000 के दशक में 'अब तक छप्पन', अपहरण, शक्तिः द पावर, राजनीति जैसी फिल्मों में उन्होंने उम्र और अनुभव के साथ अपने अभिनय को और गहरा किया। अब तक छप्पन के पुलिस अधिकारी का किरदार हो या राजनीति में राजनीतिक संघर्षों के बीच खड़ा चरित्र-नाना हमेशा चरित्र की भीतरी बेचैनी को सामने लाते थे। मराठी सिनेमा में भी उन्होंने अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा। 'नटसम्राट' (2016) में रंगमंच के दिग्गज कलाकार की भूमिका उनके करियर की सबसे मार्मिक प्रस्तुतियों में गिनी जाती है।

नाना केवल अभिनेता बनकर संतुष्ट नहीं थे। 'प्रहारः द फाइनल अटैक' का निर्देशन करके उन्होंने यह साबित किया कि उनके भीतर निर्देशक और लेखक भी मौजूद है। इस फिल्म की तैयारी के दौरान उन्होंने सेना का कठोर प्रशिक्षण लिया। आगे चलकर उनका भारतीय सेना से संबंध वास्तविक जीवन का हिस्सा बन गया। वे टेरिटोरियल आर्मी से जुड़े और लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद तक पहुंचे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी वे सैनिकों के साथ रहे।

-ललित गर्ग

देवी दुर्गा को 'दुर्गतिनाशिनी'...

उमेश कुमार साहू

नवरात्रि : देह-रूपी मंदिर को शुद्ध करने का महापर्व

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ आस्था और विज्ञान एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। नवरात्रि केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या उपवास का पर्व नहीं है, बल्कि यह पराशक्ति माँ दुर्गा के माध्यम से प्रकृति, शरीर और मन के कायाकल्प की एक सुव्यवस्थित वैज्ञानिक संहिता है। वर्ष में दो प्रमुख नवरात्रियाँ - चैत्र और शारदीय, ऋतु परिवर्तन (ऋतुसंधि) के ऐसे संवेदनशील मोड़ पर आती हैं, जब बाह्य प्रकृति और आंतरिक शरीर दोनों बड़े संक्रमण से गुजर रहे होते हैं। हमारे ऋषियों ने इस कालखंड में माँ दुर्गा की शक्ति-साधना को माध्यम बनाकर जनमानस को एक ऐसा जीवन-दर्शन दिया, जिसमें आध्यात्मिक ऊर्जा, जैविक शोधन और मानसिक संतुलन एकाकार हो जाते हैं।

देवी दुर्गा को 'दुर्गतिनाशिनी' और 'महिषासुर मर्दिनी' कहा गया है। यदि इसे आधुनिक जैविकी (Biology) के चश्मे से देखें, तो माँ दुर्गा वस्तुतः हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता (Immunity System) का ही दिव्य और साकार प्रतीक हैं।

ऋतुसंधि के समय जब तापमान और वायुदाब बदलते हैं, तब वातावरण में वायरस, बैक्टीरिया और फंगल संक्रमण अप्रत्याशित रूप से बढ़ते हैं। यही वह 'महिषासुर' यानी तमोगुणी, आलस्य और रोगों का समूह है जो हमारे शरीर पर आक्रमण करता है। इस समय शरीर की मंद पड़ चुकी 'जठराग्नि' को तेज करने और श्वेत रक्त कोशिकाओं की मारक क्षमता को जगाने के लिए नौ दिन के अनुशासन की आवश्यकता होती है। जिस प्रकार माँ दुर्गा अष्टभुजाओं में विभिन्न अस्त्र-शस्त्र धारण कर दैत्यों का संहार करती हैं, ठीक उसी तरह नौ दिनों का उपवास और संयम शरीर के भीतर हानिकारक टॉक्सिन्स और रोगजनकों को नष्ट करने का 'सेलुलर डिफेंस' तैयार करता है।

नवदुर्गा के नौ स्वरूप : चेतना और जीवनशैली के 9 सोपान

माँ दुर्गा के नौ रूपों का क्रम केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि मानव शरीर की ऊर्जा-प्रणाली और समग्र स्वास्थ्य के क्रमिक विकास का नक्शा हैः

शैलपुत्री (मूलाधार चक्र व स्थिरता) : हिमालय की पुत्री का यह रूप शरीर को पृथ्वी तत्व और दृढ़ता प्रदान करता है। ऋतु परिवर्तन के पहले दिन व्यक्ति को आहार में संयम रखकर मन और शरीर को 'ग्राउंड' (स्थिर) करने की प्रेरणा मिलती है।

ब्रह्मचारिणी (तप और न्यूरोप्लास्टिसिटी) : ज्ञान और संयम का यह स्वरूप हमारे तंत्रिका तंत्र के स्वनियमन से जुड़ा है। उपवास के दौरान मानसिक अनुशासन से मस्तिष्क में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। चंद्रघंटा (अल्फा तरंगे व तनाव मुक्ति) : घंटे के नाद से निकलने वाली ध्वनि तरंगे मस्तिष्क की 'अल्फा तरंगों' को सक्रिय करती हैं, जिससे कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर घटता है।

कूष्मांडः (ऊर्जा का स्रोत और मेटाबॉलिज्म): ब्रह्मांड को अपनी मुस्कान से उत्पन्न करने वाली देवी हमारे भीतर की 'प्राण ऊर्जा' और मेटाबॉलिज्म की नियंत्रक हैं।

स्कंदमाता (वात्सल्य और एंडोक्राइन संतुलन) : मातृत्व शक्ति शरीर के हार्मोनल चक्र (विशेषकर थायरॉइड और प्रजनन ग्रंथियों) को संतुलित रखने का संदेश देती है।

कात्यायनी (प्रतिरक्षा और एंटी-इन्फ्लेमेटरी शक्ति) : यह रूप शरीर के भीतर की सूजन (Inflammation) और संक्रामक तत्वों को नष्ट करने वाली शक्ति है।

कालरात्रि (ऑटोफैगी और डिटॉक्स) : अज्ञान और विकारों का नाश करने वाली देवी शरीर के सेलुलर स्तर पर पुरानी और रोगग्रस्त कोशिकाओं के विनाश का प्रतीक हैं।

महागौरी (कोशिकीय पुनर्जीवन) : जब शरीर के विषैले तत्व निकल जाते हैं, तब नई, स्वस्थ कोशिकाओं का जन्म होता है - यही 'गौर' यानी निर्मलता है।

सिद्धिदात्री (होमियोस्टैसिस) : नौ दिन के शोधन के बाद जब शरीर और मन पूर्ण संतुलन पा लेते हैं, वही पूर्ण स्वास्थ्य की 'सिद्धि' है।

इस परियोजना ...

इंजेश सिंह

कुटौंद शाखा नहर के पुनर्स्थापना कार्य से बुंदेलखंड के 250 गांवों के 60,954 किसानों को मिला लाभ

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और किसानों को पर्याप्त जल उपलब्ध कराने की दिशा में कुटौंद शाखा नहर के पुनर्स्थापना कार्य की परियोजना किसानों के हित में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है। बेतवा नहर प्रखण्ड द्वितीय, उरई के अंतर्गत प्रस्तावित कुटौंद शाखा के किलोमीटर 45.000 से 105.210 तक पुनर्स्थापना कार्य से नहर की क्षमता और जल प्रवाह व्यवस्था को बेहतर बनाया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य नहर के टेल भाग तक सुगमता से पानी पहुंचाना तथा लंबे समय से सिंचाई सुविधा की प्रतीक्षा कर रहे किसानों को भरोसेमंद जल उपलब्ध कराना प्रमुख रहा। वर्ष 2025-26 में प्रस्तावित इस परियोजना को क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कुटौंद शाखा नहर के टेल भाग की नहरों में पानी पहुंचाना लंबे समय से एक चुनौती रहा है। नहर के अंतिम छोर तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाने के कारण बड़ी संख्या में किसानों को सिंचाई के लिए वैकल्पिक साधनों पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे खेती की लागत बढ़ती थी और फसलों की उत्पादकता भी प्रभावित होती थी। पुनर्स्थापना कार्य पूरा होने के बाद इस समस्या के स्थायी समाधान से किसानों में खुशी छाई है।

किसी भी नहर प्रणाली की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसका पानी अंतिम छोर यानी टेल तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंचता है। कुटौंद शाखा नहर में भी टेल भाग तक पानी की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण विषय रहा है। प्रस्तावित पुनर्स्थापना कार्य के माध्यम से नहर की जल वहन क्षमता और प्रवाह व्यवस्था को बेहतर किया गया है, जिससे टेल क्षेत्र के किसानों को भी निर्धारित मात्रा में सिंचाई जल मिल रहा है। नहर में पानी की, सुचारु उपलब्धता से किसानों को समय पर खेतों की सिंचाई करने का अवसर मिला है। इसका सीधा असर फसल उत्पादन पर पड़ेगा। पर्याप्त सिंचाई मिलने से किसान अधिक क्षेत्र में खेती कर सकेंगे और एक से अधिक फसल लेने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। इससे कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम लगभग 1320 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होना है। सिंचाई का दायरा बढ़ने से वर्तमान में सीमित जल सुविधा वाले खेतों को भी नहर का पानी मिल रहा है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र में यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है, जहां कृषि काफी हद तक वर्षा और सीमित जल संसाधनों पर निर्भर रहती है। बारिश की अनिश्चितता किसानों के लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। कभी अत्यधिक वर्षा तो कभी लंबे समय तक बारिश न होने की स्थिति में फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में नहर आधारित सिंचाई किसानों को एक भरोसेमंद जल स्रोत उपलब्ध कराती है। कुटौंद शाखा के पुनर्स्थापना कार्य से सिंचाई का अतिरिक्त क्षेत्र बढ़ने पर किसानों की वर्षा पर निर्भरता कम हो रही है और कृषि गतिविधियों को स्थायित्व मिला है।

विकल्पों की अधिकता

विकल्पों की अधिकता - एक मनोवैज्ञानिक सच्चाई हैं जो हमारी खुशियों को चुपचाप खाती रहती हैं । हौसलों की बुलंदियों के साथ आत्मविश्वास के पंख लगा, लक्ष्य को पाने के जुनून को लिए जब हम मंजिल की ओर कदम बढ़ाते हैं तो सफलता स्वयं आगे बढ़कर हमको गले लगाती हैं। और यही ख़ुशी हमारे लिए अत्यंत ही प्रसन्नता लेकर आती हैं। हमारे जीवन में शोर्टकट तो राह में कटी हुई टहनियों की तरह हैं जो हमको थोड़ी बहुत छांव देती है पर यह हद से ज़्यादा घाव देती है इसलिए हम काम इतनी शांति और संतुष्टि से करे कि सफलता हमारे शोर मचा दे । आज का युग विकल्पों का युग हैं । हमारे जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र बचा हों , जहां चुनने के लिए अनेक विकल्प उपलब्ध न हों । आज की दुनिया में चुनने को , करने को बहुत कुछ हैं - कपड़े, खाना,करियर,पार्टनर,फ़ोन, लैपटॉप, गाड़ी, पर्यटन स्थल, होटल, यहां तक कि कौन - सी जगह क्या हैं, या गाड़ी में चलते क्या सुनना हैं, यह भी एक चुनौती बन चुका हैं । शायद इसी कारण आज हमारे पास साधन अधिक हैं , सुविधाएं अपार हैं, पर हमारे को प्रसन्नता का अभाव महसूस किया जा रहा हैं । समय बहुमूल्य हैं । हर क्षण जो बीत रहा है, अतुल्य है। क्योंकि > वह केवल टिक-टिक करती घड़ी की सुई नहीं, जीवन की ऊर्जा है। इसीलिए समय के तुल्य कोई दूजा नहीं है। हम यदि समय को हल्के में लेते हैं तो अपने जीवन को हल्के में लेते हैं। हम यदि समय को कम महत्व देते हैं तो समझ लीजिए हम अपने जीवन को कम महत्व देते हैं। अतः हम अपने समय का सम्मान करें, क्षण-क्षण को बहुमान दें । उसे व्यर्थ विचारों में,निरर्थक आचारों में न गंवाएं । समय का सम्मान बहुमूल्य आत्म-सम्मान है । हम समय के साथ सदा ईमानदार रहें । उसे टालमटोल में न गंवाएं। यही हमारे जीवन का मूलाधार हैं । यह स्वाभाविक है कि हर आदमी सफल होना चाहता है।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

इस संग्रहालय की ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

कौशांबी में बौद्ध पर्यटन का समग्र विकासः विश्वस्तरीय सुविधाओं से संवर रही तथागत की ऐतिहासिक धरा

प्राचीन ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक वैभव से संपन्न कौशांबी जनपद को वैश्विक पर्यटन पटल पर स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन द्वारा सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं। भगवान बुद्ध की पावन स्मृतियों को संजोए इस जनपद को उत्तर प्रदेश के 'बौद्ध सर्किट' का अभिन्न केंद्र बनाया गया है। इसके अंतर्गत प्राचीन पुरातात्विक धरोहरों के वैज्ञानिक संरक्षण के साथ-साथ पर्यटकों के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाओं का तीव्र गति से विकास किया जा रहा है। कौशांबी के ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग द्वारा विकास खंड कौशांबी के ग्राम कोसम इनाम में लगभग 13.15 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। इस चयनित स्थल पर लगभग 89 करोड़ रुपये की लागत से एकीकृत पर्यटन विकास की वृहद परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और शोधार्थियों को सुगम नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा कौशांबी के समृद्ध इतिहास से परिचित कराना है। परियोजना के प्रमुख घटकों में कोसम इनाम में स्थापित हो रहा भव्य बौद्ध थीम पार्क, पर्यटक सुविधा केंद्र (टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर -टीएफसी) और भव्य प्रवेश द्वार (गेट कॉम्प्लेक्स) शामिल हैं। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को सौंपी गई थी। निर्माण एजेंसी द्वारा तत्परता से कार्य करते हुए इन तीनों प्रमुख संरचनाओं का लगभग 90 प्रतिशत भौतिक निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बौद्ध थीम पार्क को भगवान बुद्ध के जीवन दर्शन और उनकी शांति की शिक्षाओं के अनुरूप प्राकृतिक परिवेश में विकसित किया जा रहा है। यहां निर्मित हो रहा पर्यटक सुविधा केंद्र आगंतुकों के लिए वन-स्टॉप सेंटर की भूमिका निभाएगा। इस परिसर में अत्याधुनिक सूचना केंद्र, कैफेटेरिया, प्रतीक्षालय, स्वच्छ पेयजल, सुव्यवस्थित पार्किंग, हरित पट्टी और पैदल पथ की उच्चस्तरीय व्यवस्था की जा रही है, जिससे विदेशी पर्यटकों को भी सुगम और सहज अनुभव प्राप्त हो सके। इसी परिसर में जनपद की ऐतिहासिक और पुरातात्विक थाती को सुरक्षित रखने के लिए एक अत्याधुनिक संग्रहालय का निर्माण भी कराया जा रहा है। इस संग्रहालय के निर्माण का दायित्व कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज (सीएंडडीएस) को सौंपा गया है। कार्यदायी संस्था द्वारा प्रारंभ किए गए इस संग्रहालय भवन का लगभग 70 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

इस संग्रहालय की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह होगी कि इसमें कौशांबी के ऐतिहासिक उत्खनन से प्राप्त दुर्लभ पुरावशेषों को पुनः स्थापित और प्रदर्शित किया जाएगा। पूर्व में घोषिताराम विहार, कुक्कुटाराम विहार और पावारिक आम्रवन के पुरातात्विक उत्खनन के दौरान प्राप्त भगवान बुद्ध के कालखंड की दुर्लभ मूर्तियां, मृदभांड, मुद्राएं और वास्तुशिल्प अवशेष वर्तमान में प्रयागराज स्थित केंद्रीय संग्रहालय में संरक्षित हैं। संग्रहालय का निर्माण पूर्ण होते ही जिला प्रशासन और संस्कृति विभाग के समन्वय से इन ऐतिहासिक स्मृतियों को कौशांबी लाकर जनसामान्य के दर्शनार्थ प्रदर्शित करने की कार्ययोजना है। कौशांबी की इस आध्यात्मिक पहचान को विस्तार देने के लिए परिसर में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के विपश्यना (ध्यान) केंद्र की स्थापना की जा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए लगभग 34 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। वर्तमान में इसकी निविदा प्रक्रिया प्रगति पर है। इस केंद्र के स्थापित होने से कौशांबी केवल दर्शनीय स्थल न रहकर गहन आत्मिक शांति और ध्यान-साधना का एक वैश्विक केंद्र बनकर उभरेगा। प्रस्तावित विपश्यना केंद्र को पूर्णतः प्राकृतिक, शांत और कोलाहल मुक्त वातावरण में रूपांकित किया जा रहा है। इसमें साधकों के लिए वृहद ध्यान कक्ष, आवासीय ब्लॉक, पुस्तकालय और सात्विक दिनचर्या के अनुकूल सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्राचीन बौद्ध परंपरा पर आधारित ध्यान पद्धति में रुचि रखने वाले देश-विदेश के साधक यहां प्रवास कर मानसिक शांति और आत्म-साक्षात्कार का अभ्यास कर सकेंगे। इससे जिले में दीर्घकालिक प्रवास वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। कौशांबी में पर्यटकों की सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कनेक्टिविटी के बुनियादी ढांचे को भी समानांतर रूप से सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रयागराज हवाई अड्डे से कौशांबी तक यात्रा को सुगम बनाने के लिए फोरलेन सड़क संपर्क को गति दी गई है, साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग तंत्र से भी जिले को बेहतर तरीके से जोड़ा गया है। इससे सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती और संकिसा जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सर्किट के तीर्थयात्री निर्बाध रूप से कौशांबी को अपनी यात्रा का मुख्य पड़ाव बना सकेंगे।

पर्यटन विकास की इन व्यापक पहलों का सीधा और सकारात्मक प्रभाव कौशांबी जनपद की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर परिलक्षित होगा। ऐतिहासिक स्थलों के पुनरुद्धार और सुविधाओं के विस्तार से जनपद में पर्यटन आधारित आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। पर्यटकों के सतत आवागमन से आतिथ्य क्षेत्र, होटल, होम-स्टे, रेस्टोरेंट और परिवहन व्यवसाय में नए निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा। पर्यटन क्षेत्र के इस विस्तार से स्थानीय युवाओं और कारीगरों के लिए आजीविका एवं स्वरोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे। जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय युवाओं को पेशेवर टूरिस्ट गाइड और हॉस्पिटैलिटी प्रबंधन से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जनपद के पारंपरिक हस्तशिल्प, स्थानीय कृषि उत्पाद और कुटीर उद्योगों को पर्यटकों के माध्यम से एक नया बाजार उपलब्ध होगा, जिससे ग्रामीण आर्थिकी को सीधा संबल मिलेगा। जिला प्रशासन और संबंधित कार्यदायी संस्थाओं द्वारा सभी निर्माण परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता की नियमित निगरानी की जा रही है। उच्च स्तरीय मानकों को सुनिश्चित करने के साथ-साथ यह ध्यान रखा जा रहा है कि आधुनिक निर्माण कार्यों से कौशांबी की मूल पुरातात्विक संरचना और प्राकृतिक संतुलन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कर जनता को समर्पित करने का लक्ष्य है। कौशांबी की प्राचीन बौद्ध विरासत, ऐतिहासिक गौरव और आधुनिक पर्यटन अधोसंरचना का यह संगम जनपद को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान दिलाएगा। प्रदेश सरकार की इस समग्र विकास नीति से कौशांबी आने वाले समय में आध्यात्मिक शांति, ऐतिहासिक अनुसंधान और सांस्कृतिक पर्यटन का एक प्रमुख गंतव्य बनकर उभरेगा, जिससे क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा।

सपा के कैंडिडेट तो भाजपा की तरफ हैं : केशव

पीएम मोदी की जय-जयकार कर रहे, 80 पहले ही हमारा, 20 में भी बंटवारा

फूट

तमसा संकेत, एजेंसी

डिप्टी सीएम ने कहा कि समाजवादी पार्टी में जीतने वाले कैंडिडेट में भी फूट पड़ गई है। उन्होंने दावा किया कि सपा के अंदर भी सब कुछ ठीक नहीं है। पार्टी के नेताओं में आपसी खींचतान चल रही है। राज्यसभा चुनाव के दौरान ये बातें खुलकर सामने आ रही हैं।

प्रयागराज। प्रयागराज में डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा कि सपा कैंडिडेट तो भाजपा की तरफ हैं। वे पीएम मोदी की सेवा के 25 सालों पूरे होने पर तारीफ कर रहे। मतलब साफ है कि सपा के जीतने वाले कैंडिडेट्स में भी फूट है। 100 में 80 पहले से हमारा है, लगता है 20 में भी बंटवारा है। डिप्टी सीएम केशव ने ये बातें गुरुवार दोपहर सपा के राज्यसभा उम्मीदवार धनराज नथवानी के पोस्ट को लेकर कहीं। दरअसल, राज्यसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी के कैंडिडेट धनराज परिमल नथवानी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की थी। यूपी विधानसभा में कुल सीटों की संख्या 403 है। मौजूदा समय में 7 सीटें खाली हैं। यानी,



मौजूदा समय में 396 विधायक हैं। राज्यसभा की 10 सीटों पर चुनाव के लिए जो फॉर्मूला अपनाया जाएगा, वह 396/11+1 होगा। यानी 396 को 11 से भाग देने पर जो संख्या आएगी, उसमें एक जोड़ा जाएगा। सपा के पास मौजूदा समय में 100 विधायक ही हैं। इसमें से भी रमाकांत यादव जेल में बंद हैं। यानी संख्या घटकर 99 रह जाती है।

10 में 8 सीटें भाजपा जीत रही, यानी 100 में 80 हमारा'

केशव मौर्य ने प्रधानमंत्री की तारीफ करने के लिए धनराज नथवानी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा- इसी से समाजवादी पार्टी की स्थिति भी साफ हो रही। उन्होंने राज्यसभा चुनाव का गणित बताते हुए कहा कि यूपी में 10 में से 8 सीटों पर भाजपा जीत रही है। उन्होंने इसे अपने अंदाज में 100 में 80 हमारा बताया। केशव ने सपा कैंडिडेट की ओर से पीएम मोदी की तारीफ को जोड़ते हुए कहा- सपा के समर्थन से राज्यसभा जाने वाला उम्मीदवार अगर मोदीजी की 25 साल की सेवा की जय-जयकार कर रहा, तो इसका मतलब है कि बचे हुए 20 प्रतिशत में भी बंटवारा है।

'कांग्रेस-सपा का गठबंधन पहले जैसा नहीं रहा'

डिप्टी सीएम ने इंडिया ब्लॉक की बैठक को लेकर भी सपा प्रमुख पर निशाना साधा। बैठक में अखिलेश यादव के नहीं पहुंचने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन बिखर चुका है। कांग्रेस और सपा के बीच चल रहे राजनीतिक रिश्ते सही नहीं हैं। दोनों दलों में "नूराकुश्ती" चल रही। यह गठबंधन अब पहले जैसा नहीं रहा। इनसे जुड़े दलों के बीच आपसी खींचतान लगातार सामने आ रही है।

परिमल नाथवानी ने झारखंड से पहली बार 2008 और दूसरी बार 2014 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी। वह 2020 से आंध्र प्रदेश से वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सहयोग से राज्यसभा सदस्य थे। 2026 में उन्हें एनडीए ने समर्थन दिया और वे कांग्रेस के प्रणव झा को हराकर राज्यसभा पहुंचे थे।



भाजपा को 8वां कैंडिडेट जिताने के लिए 6 वोटों की जरूरत पड़ेगी

वहीं, भाजपा को 8वां कैंडिडेट जिताने के लिए कम से कम 6 वोटों की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में दूसरी और तीसरी वरीयता के वोटों की गिनती अहम हो जाती है। इसके लिए विधायकों को बकायदा प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें बताया जाता है कि किस विधायक को किस कैंडिडेट के लिए प्रथम वरीयता पर रखना है और किसे दूसरी व तीसरी वरीयता पर।

इसी तरह गिनती में निर्धारित कोटे तक पहुंचने पर संबंधित प्रत्याशी को विजयी घोषित कर दिया जाता है।

डीएम ने चंद्रिका देवी धाम का निरीक्षण किया, कमियां मिलीं

बोले- व्यवस्थाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ डीएम अभिषेक पाण्डेय ने गुरुवार शाम 4:30 करीब माँ चंद्रिका देवी धाम का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधाओं, साफ-सफाई, बिजली, पानी और शौचालयों समेत व्यवस्थाएं देखीं। कमियां मिलने पर डीएम ने अधिकारियों और ग्राम प्रधान को तुरंत सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि धाम की व्यवस्थाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मंदिर के मुख्य द्वार पर हरिमंगल सिंह एडवोकेट की दानपेटी पर सवाल उठे।

ग्राम प्रधान ने बताया कि कोई कमेटी नहीं बनी है और पैसों के इस्तेमाल की जानकारी नहीं है। डीएम ने तहसीलदार सदर को हरिमंगल सिंह को नोटिस जारी कर दस्तावेज मांगने को कहा।

डीएम ने मंदिर परिसर में टूटे



टीनशेड (10 अक्टूबर तक अनुमानित खर्च), खराब हाईमास्ट लाइट और जर्जर बिजली के तारों (चार दिन में दुरुस्त) को ठीक कराने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं के स्नान के लिए बने सगरा तालाब की टूटी बाउंड्रीवाल को क्षेत्र पंचायत योजना में शामिल कर तुरंत बनवाने को कहा गया।

दशहरा से पहले सगरा का रंग-रोगन मनरेगा से कराने और मंदिर में साफ-सफाई बेहतर करने के निर्देश भी दिए गए।

डीएम चार दिन बाद फिर धाम का निरीक्षण करेंगे।

फास्ट न्यूज

वार्ड 58 में तीन दिन से नहीं उठा कूड़ा

मथुरा। वार्ड 58 के हाथी टीला इलाके में पिछले तीन दिनों से कूड़ा नहीं उठा है। इससे चारों तरफ गंदगी का अम्बार लग गया है, जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानी हो रही है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण इलाके में कोई सफाई कर्मचारी नहीं पहुंचा है। हालत इतनी खराब है कि लोग सिर्फ जरूरी काम से ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। स्थानीय दुकानदार कान्हा ने सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

फतेहपुर में 16 उपनिरीक्षकों का तबादला

फतेहपुर। फतेहपुर में कानून व्यवस्था बेहतर करने के लिए पुलिस विभाग ने 16 उपनिरीक्षकों के तबादले किए हैं।

यह जानकारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय से गुरुवार शाम 5 बजकर 10 मिनट पर जारी सूची में दी गई। यूपी 112 से उपनिरीक्षक रामराजपाल को औंग और श्याम सूरत यादव को धाता भेजा गया।

किशनपुर से शालिक राम शुक्ला का चांदपुर तबादला रद्द कर उन्हें सुल्तानपुर घोष भेजा गया।

बाराबंकी में अवैध मिट्टी खनन पर कार्रवाई

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में अवैध मिट्टी खनन और बिना कागजात के मिट्टी ढोने वाले वाहनों पर खनन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। गुरुवार शाम खनन अधिकारी अनंत सिंह ने सतरिख थाना क्षेत्र में जांच अभियान चलाया। इस दौरान शाहपुर गांव में मिट्टी से लदा एक ट्रक पकड़ा गया। जांच में चालक के पास खनन से जुड़े जरूरी कागजात नहीं मिले। ट्रक पर मिट्टी ढकने के लिए तिरपाल भी नहीं लगा था।

सपा प्रमुख रामनगरी पहुंचे, मगर राममंदिर दर्शन करने नहीं गए

मुख्यमंत्री खुद अयोध्या से चुनाव लड़कर दिखाएं : अखिलेश यादव

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा, जब से हम लोगों ने विधानसभा के प्रत्याशी घोषित किए हैं, भाजपा सर्वे पर सर्वे करा रही है। हर सर्वे में पीछे छूट जा रही है। उन्हें अयोध्या में कोई प्रत्याशी ही नहीं मिल रहा है। अखिलेश ने चैलेंज करते हुए कहा, बड़े-बड़े दावे करने वाले मुख्यमंत्री अगर इतना ही आश्वस्त हैं, तो खुद अयोध्या से चुनाव लड़कर दिखाएं। उन्होंने कहा- इस बार अयोध्या ही नहीं, पूरे देश की जनता धर्म और धन चुराने वालों को बख्शेगी नहीं। जिन्होंने कहा था कि 15 दिन के अंदर दूध का दूध और पानी का पानी कर देंगे, उनके लिए अयोध्या का मैदान खाली पड़ा है। दूध का



दूध और पानी का पानी करने का झूठा वादा करने वाले का पानी जनता इस बार उतार देगी। अखिलेश यादव पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय के पैतृक गांव कृष्णापुर खानपुर रसूलाबाद में श्रीमद्भागवत कथा में शामिल होने पहुंचे थे। हालांकि, कार्यक्रम स्थल से 30 किमी दूर राम मंदिर और हनुमानगढ़ी के दर्शन करने नहीं गए। इससे पहले अखिलेश पवन पांडेय के घर साल 2011 में पहुंचे थे।

माताओं-बहनों को सालान 40 हजार रुपए देंगे

अखिलेश यादव बोले- हम लोगों ने विकास के काम करके दिखाए हैं। लैपटॉप दिए हैं। आज इसी मंच से माताओं और बहनों को भरोसा दिलाते हैं कि जैसे समाजवादी पेंशन देते थे, वैसे ही भविष्य में हर साल 40 हजार रुपए देंगे।

जो लोग 40 हजार रुपए के मुकाबले में कुछ लेकर आए हैं, उन्होंने 9 साल में क्या दिया है? अयोध्या वाले इसका हिसाब-किताब लेंगे।

अखिलेश यादव ने कहा- मैं भरोसा दिलाता हूं कि आने वाले समय में जब सपा की सरकार बनेगी, तो अयोध्या शहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकास की गति देने का काम करेंगे। अयोध्यावासी समय-समय पर दुखी रहे और परेशानियों से गुजरे। उनके साथ भेदभाव और अन्याय हुआ।

महिला सुरक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुए आईपेक के 50 छात्र

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। औद्योगिक क्षेत्र साइट-4 स्थित इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपेक) के बीटेक, बीसीए, एमसीए और बीबीए के 50 छात्रों ने राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लिया। विज्ञान भवन में सात अक्टूबर को आयोजित सम्मेलन का विषय 'वुमन फर्स्टः स्ट्रेंथनिंग प्रोटेक्शन एंड जस्टिस इन केसेज ऑफ डोमेस्टिक वायलेंस' रहा। यह सहभागिता आईसीएसएसआर वित्त पोषित परियोजना 'मैपिंग जेंडर-सेंसिटिव बिहेवियरल पैटर्न्स अमंग यूथ इन इंडियन हायर एजुकेशनः एन एआई-ड्रिवन लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी फॉर विकसित भारत' के तहत आयोजित हस्तक्षेप का हिस्सा थी। प्रधान अन्वेषक डॉ.



पूजा त्रिपाठी और उनकी शोध टीम के नेतृत्व में छात्रों ने लैंगिक हिंसा, रोकथाम, संरक्षण और न्याय से जुड़े विषयों पर चर्चा में भाग लिया। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया किशोर राहतकर ने कहा कि लैंगिक संवेदनशीलता स्वतः विकसित नहीं होती। इसके लिए मानवीय दृष्टिकोण के साथ जागरूक और आंकड़ा-आधारित प्रयास जरूरी हैं। सम्मेलन में युवाओं में लैंगिक संवेदनशील व्यवहार विकसित करने तथा न्यायपूर्ण, समावेशी और शांतिपूर्ण समाज के निर्माण पर जोर दिया गया।

त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कसी कमर

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। आगामी दुर्गा पूजा, नवरात्रि, दशहरा, वाल्मीकि जयंती, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, दीपावली और छठ पूजा समेत अन्य त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए गुरुवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित बहुउद्देशीय हॉल में केंद्रीय शांति समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी डा. वीके सिंह और एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति की मौजूदगी में हुई बैठक में आयोजन समितियों के पदाधिकारियों, प्रबुद्धजनों और गणमान्य नागरिकों ने सुझाव रखे। उन्होंने साफ-सफाई, सड़क मरम्मत, प्रकाश, विद्युत सुरक्षा, पेयजल, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नई परंपरा की अनुमति नहीं दी जाएगी और आयोजन पूर्व से चली आ रही परंपराओं के अनुरूप ही होंगे। आयोजन समितियों से निर्धारित



समय पर अनुमति के लिए आवेदन करने की अपील भी की गई। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को आयोजन स्थलों पर आवश्यकता के अनुसार एंबुलेंस और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, जबकि नगर निगम को सफाई, सड़क मरम्मत और मोबाइल शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को जुलूस और मेला स्थलों पर विद्युत तार, पोल तथा आपूर्ति की पूर्व जांच करने को कहा गया। एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने थाना प्रभारियों को त्योहार रजिस्टर के आधार पर पूर्व की घटनाओं, पारंपरिक जुलूस मार्गों और मेला स्थलों की समीक्षा कर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए।

अलीगढ़ में शराब ठेके के पास गाड़ी गलत खड़ी करने से मना किया था

टेंपो वाले ने आरएसएस के पदाधिकारी को पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ के क्वार्सी क्षेत्र की स्वर्णजयंती नगर कॉलोनी में सड़क पर खड़े टेंपो को हटाने के लिए कहना आरएसएस के अलीगढ़ महानगर विद्यार्थी प्रमुख रजत सिंह को भारी पड़ गया। आरोप है कि टेंपो चालक ने पहले उनसे अभद्रता की। इसके बाद साथियों को बुलाकर रजत को सड़क पर गिरा दिया और बेल्टों से पीटा। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी मौके से भाग गए। भागते समय एक आरोपी अपनी बाइक और उस पर रखी दूध की बाल्टी छोड़ गया। पुलिस इसी के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है। रजत सिंह



स्वर्णजयंती नगर की रॉयल कावेरी सोसायटी में रहते हैं। उनके पिता नरेंद्र सिंह भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। रजत के मुताबिक, बुधवार रात करीब 9:30 से 10 बजे के बीच वह बाजार से लौट रहे थे। कॉलोनी में शराब के ठेके के पास सड़क पर एक टेंपो खड़ा था।

दूध की बाल्टी वाली बाइक से मिला सुराग

भागते समय एक आरोपी अपनी बाइक मौके पर ही छोड़ गया। बाइक पर दूध की बाल्टी लगी थी। पुलिस जांच में आरोपी की पहचान पड़ोसी किसनपुर की त्रिवेणी कॉलोनी में रहने वाले दूध विक्रेता और उसके साथियों के रूप में होने की बात सामने आई है। क्वार्सी इंस्पेक्टर अरुण कुमार ने रजत का मेडिकल कराया। उनकी तहरीर पर रात में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। इंस्पेक्टर के मुताबिक, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

सड़क निर्माण के चलते भी रहता है जाम

स्वर्णजयंती नगर में सड़क निर्माण का काम चल रहा है। मुख्य सड़क तैयार हो चुकी है, लेकिन दोनों तरफ फुटपाथ का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में सड़क किनारे वाहन खड़े होने से जाम की स्थिति बनी रहती है। घटना के बाद शराब के ठेके के आसपास आए दिन होने वाले हंगामे को लेकर स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि ठेके के आसपास शराब पीकर हंगामा और अभद्रता की घटनाओं से कॉलोनी के लोगों को परेशानी होती है।

आरोप है कि इस बात पर टेंपो चालक ने रजत से अभद्रता शुरू कर दी। विरोध करने पर उसने फोन कर अपने साथियों को बुला लिया।

सख्ती : डीएम ने मौके पर कराई पैमाइश, जेसीबी से मिट्टी डलवाकर रास्ते खुलवाए

चकरोड़ और मरघट की जमीन से कब्जा हटाया

तमसा संकेत, एजेंसी

मैनपुरी। मैनपुरी में सार्वजनिक जमीन और चकरोड़ों पर अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। गुरुवार को मिशन समाधान के तहत डीएम डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी खुद मौके पर पहुंचे और चकरोड़ व मरघट की जमीन की पैमाइश कराई। इसके बाद जेसीबी से मिट्टी डलवाकर चकरोड़ों को कब्जामुक्त कराया गया। अभियान दोपहर करीब 12 बजे से शाम 4 बजे तक चला। डीएम नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड जगरूपपुर पहुंचे। यहां ग्रामीणों ने गांव के तीन चकरोड़ों और मरघट की जमीन पर कई वर्षों से अनाधिकृत कब्जे की शिकायत की थी। डीएम की मौजूदगी में राजस्व टीम ने मौके पर जमीन की पैमाइश की। चकरोड़ों से कब्जा हटाने के बाद जेसीबी से मिट्टी



डलवाकर रास्ते को आवागमन योग्य बनाया गया। इससे ग्रामीणों और किसानों को खेतों तक पहुंचने में राहत मिली। वहीं रघुनंदन, जगदीश, रमेश, सुधीर, बेनीराम और नितिन समेत ग्रामीणों ने मरघट की जमीन पर कब्जे की शिकायत की। उनका कहना था कि कब्जे के कारण अंत्येष्टि करने में परेशानी हो रही थी। राजस्व टीम ने पैमाइश के बाद अनाधिकृत कब्जा हटवाकर जमीन को कब्जामुक्त कराया। अधिकांश मामलों का निस्तारण दोनों पक्षों की मौजूदगी और आपसी सहमति से कराया गया। डीएम ने कहा कि मिशन समाधान का उद्देश्य शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर लोगों को त्वरित राहत देना है। अधिकारियों को राजस्व और सार्वजनिक भूमि से जुड़े मामलों में लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए। मौके पर एसडीएम सदर श्याम प्रताप सिंह, राजस्व निरीक्षक बृजेश राठौर, आईजीआरएस अनुभाग के अनुज कुमार, क्षेत्रीय लेखपाल और सभासद मौजूद रहे।

दोबारा कब्जा किया तो भू-माफिया के रूप में कार्रवाई

डीएम ने राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि चकमार्ग और चकरोड़ आमजन के आवागमन के लिए हैं। कब्जे के कारण किसानों को खेतों तक पहुंचने में परेशानी होती है और ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक भूमि और चकमार्गों पर किसी भी स्थिति में अनाधिकृत कब्जा नहीं रहना चाहिए। जिन स्थानों से पहले कब्जा हटाया जा चुका है, वहां दोबारा कब्जा मिलने पर संबंधित व्यक्ति को भू-माफिया के रूप में चिन्हित कर सुसंगत धाराओं में प्रभावी कार्रवाई की जाए।



6 तहसीलों में 29 संयुक्त टीमों ने निपटाए 136 मामले

मिशन समाधान के तहत जिले की छह तहसीलों में पुलिस और राजस्व की 29 संयुक्त टीमें गठित की गई थीं। टीमों ने चिन्हित 136 प्रकरणों में मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। सदर तहसील में 25, भोगांव में 28, किशनी में 15, करहल में 15, कुरावली में 24 और घिरोर में 29 प्रकरण चिन्हित किए गए थे।

एमएससी खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के 10 साल पूरे, फ्रेशर पार्टी में दिखा उत्साह

लखनऊ में खाद्य प्रसंस्करण विभाग में आयोजित हुआ समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजकीय खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लखनऊ के एमएससी खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बुधवार को खाद्य प्रसंस्करण विभाग में भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर पार्टी का भी आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। समारोह में संस्थान की दस वर्षों की शैक्षणिक यात्रा और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान एवं तकनीकी दक्षता की भूमिका पर चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा रहे। कार्यक्रम में विशेष सचिव राजकमल यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. सृष्टि धवन, संयुक्त निदेशक (प्रशासन), उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग तथा डॉ. सर्वेश कुमार, संयुक्त निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग मौजूद रहे। खाद्य प्रसंस्करण के संयुक्त निदेशक डॉ. महिपाल सिंह भी समारोह में उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने संदेश के माध्यम से एमएससी खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के 10 वर्ष पूरे होने पर संस्थान के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान, तकनीकी दक्षता और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और आधुनिक तकनीकों के उपयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। ऐसे में खाद्य प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ युवाओं की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों को अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की नई संभावनाओं पर काम करना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण खाद्य प्रसंस्करण से कृषि उत्पादों का बेहतर मूल्य संवर्धन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय बढ़ाने के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि संस्थान आने वाले वर्षों में खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन तैयार करने और नवाचार को बढ़ावा देने में और प्रभावी भूमिका निभाएगा।

ज्ञानेश कुमार की प्रतीकात्मक अर्थी पर रोए सपाई

आगरा पुलिस से भिड़े, बहराइच में गधा लेकर पहुंचे कांग्रेसी

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। यूपी में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सपा-कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर हैं। प्रयागराज में सपाइयों ने CEC की प्रतीकात्मक अर्थी लेकर प्रदर्शन किया। उससे लिपटकर खूब रोए। आगरा में सपाइयों की पुलिस से नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। सपा सांसद रामजीलाल सुमन को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। उन्होंने कहा- यह चुनाव आयोग नहीं है, मोदी आयोग है। प्रदर्शन को देखते हुए ज्ञानेश कुमार के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बहराइच में कांग्रेस कार्यकर्ता गधा लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे। गोंडा में कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को



पुलिस ने रोका तो वे सड़क पर लेट गए। पुलिस उन्हें टांगकर ले गई। लखनऊ में कैदी की ड्रेस में सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उनके हाथों में हथकड़ी थी। चेहरे पर मुख्य चुनाव आयुक्त का मुखौटा लगाया हुआ था। गोंडा जिले में आज गुरुवार दोपहर 1 बजे कांग्रेसियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेसी कलेक्ट्रेट की तरफ बढ़ रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद कांग्रेसी नाराज हो गए और सड़क पर लेट गए। पुलिस ने उन्हें हटाने की कोशिश की तो उनकी झड़प हो गई। इसके बाद पुलिस उन्हें टांगकर ले गई।बहराइच में कांग्रेसी नेता कलेक्ट्रेट के बाहर गधा लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग की।

मिर्जापुर में सपा-कांग्रेस का प्रदर्शन, पोस्टर जलाया, पुलिस से नोकझोंक

मिर्जापुर में चुनाव आयोग के खिलाफ सपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान समाजवादी पार्टी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने पोस्टर जलाया। कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंकने का प्रयास किया तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसे लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

सहारनपुर में सपाइयों की पुलिस से नोकझोंक

सहारनपुर में चुनाव आयोग के खिलाफ सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता जिला मुख्यालय की ओर जाने लगे तो पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोकने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। धक्का-मुक्की के बीच पुलिस ने कुछ कार्यकर्ताओं को पकड़कर गाड़ियों में भरकर ले गई।

संभल में कलेक्ट्रेट की तरफ बढ़ रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका



संभल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट की तरफ बढ़ रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस अलर्ट मोड पर है। झांसी में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में धरना-प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष देशराज रिछारिया के नेतृत्व में दोपहर एक बजे कांग्रेसी कलेक्ट्रेट पहुंचे। डीएम ऑफिस के सामने हाथों में तख्तियां लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी बांधकर दिल्ली में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत अन्य विपक्षी सांसदों पर हुई पुलिस कार्रवाई का विरोध किया।

श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर में 375 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण



तमसा संकेत, संवाददात

मथुरा। शासन के निर्देश पर जिले में चल रहे तीन दिवसीय 'श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर' के तहत गुरुवार को दौताना-चंदौरी रोड स्थित जैनकॉर्ड इंडस्ट्रियल प्रा.लि. और कोसी कोटवन स्थित वेकमेट इंडिया लिमिटेड में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। शिविर में औद्योगिक एवं निर्माण श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। कार्यजनित एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की समय से पहचान के उद्देश्य से आयोजित दोनों शिविरों में कुल 375 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सहायक श्रमायुक्त राजकुमार, श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रकाश चंद व हंसराज तथा स्वास्थ्य विभाग से डॉ. मनोज सांगवान, डॉ. राहुल सहित चिकित्सकीय स्टाफ मौजूद रहा। दोनों औद्योगिक प्रतिष्ठानों के एचआर मैनेजर और श्रमिक भी शिविर में उपस्थित रहे। श्रमिकों एवं उद्यमियों ने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित स्वास्थ्य शिविर की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम जारी रखने की अपेक्षा जताई।

फास्ट न्यूज

मुरादाबाद में फर्जी पासपोर्ट गैंग का खुलासा

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस ने फर्जी पासपोर्ट बनाने वाले गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने गैंग के सरगना महफूज और उसके साथी आकाश को गिरफ्तार किया है। महफूज अगवानपुर का रहने वाला है। आकाश हरियाणा के फरीदाबाद का निवासी है। पुलिस के मुताबिक, महफूज के लॉरेंस विश्नोई गैंग से करीबी संबंध हैं। उसने वर्ष 2022 में गैंग के शार्प शूटर दीपक पहल उर्फ बॉक्सर का भी फर्जी पासपोर्ट बनवाया था।

2 महीने में 26वां तेंदुआ पकड़ा गया

मुरादाबाद। मुरादाबाद में तेंदुओं को पकड़ने के लिए चल रहे वन विभाग के ऑपरेशन पैंथर के तहत गुरुवार सुबह एक और तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। ठाकुरद्वारा के बलिया गांव में वन विभाग ने पिंजरा लगाया था। सुबह ग्रामीणों को तेंदुआ पकड़े जाने की जानकारी मिली तो लोगों ने राहत की सांस ली। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए को सुरक्षित पिंजरे से निकाला। मेडिकल जांच के बाद उसे आरक्षित वन क्षेत्र में भेजने की तैयारी की जा रही है। वन विभाग के मुताबिक, 3 अगस्त से अब तक 26 तेंदुए जिंदा पकड़े जा चुके हैं।

शिष्य की मौत के बाद प्रेमानंदजी पहली बार केलीकुंज पहुंचे

मथुरा। वृंदावन में शिष्य की मौत के बाद संत प्रेमानंद महाराज गुरुवार सुबह 5 बजे पहली बार केली कुंज आश्रम पहुंचे। उन्हें देख भक्त पीछे दौड़ने लगे। 'श्री हरिवंश' और 'राधे-राधे' के जयकारे लगाने लगे। प्रेमानंदजी 10 मिनट तक आश्रम में रुके। फिर 150 मीटर दूर अपने गुरु श्री हित गोविंद शरण महाराज दर्शन करने चले गए। वहां से वापस अपने नए यमुना बिहार कुंज आश्रम लौट गए।

सपा सांसद सुमन हाउस अरेस्ट हुए

एसीपी से बोले-मुझे लाइन भेज दो, आपके लिए अच्छा होगा, प्रदर्शन में शामिल होने से रोका गया

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध में समाजवादी पार्टी ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शन से पहले पुलिस ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन को उनके आवास पर नजरबंद कर दिया। दोपहर करीब 12 बजे सांसद समर्थकों के साथ बाहर निकले तो पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान सांसद और पुलिस के बीच तकरार हुई। सांसद दूसरे रास्ते से बैरिकेडिंग पार कर आगे निकल गए। बाद में पुलिस उन्हें कॉलोनी के पार्क में ले गई। पार्क में सांसद धरने पर बैठ गए। पुलिस ने यहीं उनसे ज्ञापन ले लिया, जिसके बाद उन्हें वापस घर ले जाया गया। सांसद के आवास के चारों ओर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

> पुलिस से बातचीत के दौरान सांसद रामजीलाल सुमन ने कहा कि उन्हें गिरफ्तार कर पुलिस लाइन भेज दिया जाए या फिर जाने दिया जाए। उन्होंने एसीपी हरीपर्वत से कहा, 'आपकी नई सर्विस है, मुझे लाइन भेज दो। आपके लिए अच्छा होगा।'



गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे रामजीलाल सुमन समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट जाने के लिए घर से निकले। पुलिस ने उनके आवास के बाहर पहले से बैरिकेडिंग कर रखी थी।

'एसीपी साहब, मुझे लाइन भेज दो'

इस दौरान पुलिस और सपा कार्यकर्ताओं के बीच नोकझोंक होती रही। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे जाने से रोक दिया। रामजीलाल सुमन ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हो रहे हैं।

सुमन ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार भाजपा के अंग के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग को 'मोदी आयोग' कहा। उन्होंने दावा किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त के दो सहयोगियों ने भी उनके खिलाफ आरोप लगाए हैं।

कलेक्ट्रेट नहीं पहुंच सके सपाई, पार्क में लिया ज्ञापन

सपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट जाने का प्रयास किया। पुलिस ने उन्हें आगे नहीं जाने दिया। इसके बाद पुलिस ने कॉलोनी के पार्क में ही सपा जिलाध्यक्ष ऊदल सिंह से ज्ञापन ले लिया। ज्ञापन में SIR की प्रक्रिया और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर आपत्तियां दर्ज कराई गईं।

शिवली में पशु आरोग्य शिविर, 360 पशुओं को मिला उपचार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। ग्राम पंचायत शिवली,कुम्हा विकासखंड राया में गुरुवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर/मेले का आयोजन किया गया। अपर निदेशक ग्रेड-2 पशुपालन विभाग आगरा मंडल डॉ. डीपी सिंह की उपस्थिति में आयोजित शिविर में पशुपालकों को पशुओं की नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान और पशुधन बीमा योजना की जानकारी दी गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने नंदिनी कृषक समृद्धि, मिनी नंदिनी, स्वदेशी गो-संवर्धन योजना के साथ भेड़, बकरी, सूकर एवं मुर्गी पालन की योजनाओं की जानकारी दी। पशुपालकों को दवाएं और मिनरल मिक्चर निःशुल्क वितरित किए गए। शिविर में 360 पशुओं का पंजीकरण



हुआ। इनमें 151 बड़े-छोटे पशुओं की चिकित्सा, 40 को कृमिनाशक दवा, 54 पशुओं की बांझपन चिकित्सा तथा दो पशुओं का बधियाकरण किया गया। अपर निदेशक ने एलएसडी टीकाकरण का सत्यापन भी किया। शिविर में डॉ. कृष्णवीर सिंह, डॉ. सान्त्वना उपाध्याय, डॉ. नेहा गुप्ता एवं डॉ. सुभाष बाबू मौजूद रहे।

'गरीब की मदद करना ही पंडित दीनदयाल को सच्ची श्रद्धांजलि'

मथुरा में ब्रजेश पाठक बोले-सरकार बिना भेदभाव योजनाओं का लाभ दे रही

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के फरह स्थित पंडित दीनदयाल धाम में लगे मेले में गुरुवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पहुंचे। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के स्मारक पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके बाद किसान युवा सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, युवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय को सच्ची श्रद्धांजलि है। डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य हर वर्ग को विकास से जोड़ना है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और एकात्म मानव दर्शन को ध्यान में रखकर योजनाओं को धरातल पर लागू किया जा रहा है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि



आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को 5 लाख रुपए तक के इलाज की स्वास्थ्य सुरक्षा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया गया है। 2026-27 के राज्य बजट दस्तावेज के अनुसार प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। इनमें 45 सरकारी और 36 निजी मेडिकल कॉलेज हैं। सरकार किसानों को मजबूत करने, युवाओं को रोजगार के अवसर देने और गरीबों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए योजनाओं को जमीन पर उतार रही है।

आगरा विश्वविद्यालय में एमएससी छात्रा की रैगिंग

सीनियर छात्राओं ने परिचय के नाम पर की अभद्रता, यूजीसी में शिकायत के बाद जांच शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में एमएससी बायोटेक्नोलॉजी प्रथम वर्ष की छात्रा ने सीनियर छात्राओं पर रैगिंग और अभद्रता करने का आरोप लगाया है। छात्रा का आरोप है कि कक्षा में शिक्षकों की मौजूदगी के दौरान परिचय देने के नाम पर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। घटना से आहत छात्रा ने मामले की ऑनलाइन शिकायत यूजीसी की एंटी रैगिंग सेल में की। शिकायत विश्वविद्यालय प्रशासन तक पहुंचने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। एमएससी बायोटेक्नोलॉजी प्रथम वर्ष की कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय में जल्द ही फ्रेशर पार्टी आयोजित की जानी है। इसी की तैयारियों के सिलसिले में एमएससी द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राएं प्रथम वर्ष की कक्षा में पहुंचे थे। सीनियर छात्रों ने जूनियर



छात्र-छात्राओं से अपना नाम और शौक बताकर परिचय देने के लिए कहा।

आरोप है कि परिचय देने की इसी प्रक्रिया के दौरान एक प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ अभद्रता की गई। छात्रा ने इसे रैगिंग बताते हुए यूजीसी की एंटी रैगिंग सेल में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने दर्ज किए छात्रों के बयान मामले की जांच चीफ प्रॉक्टर प्रो. मनु प्रताप सिंह के नेतृत्व में प्रॉक्टोरियल बोर्ड कर रहा है। जांच के दौरान एमएससी बायोटेक्नोलॉजी प्रथम वर्ष के करीब 20 छात्र-छात्राओं के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन घटना से जुड़े तथ्यों और छात्रों के बयानों के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल कर रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद जो भी छात्र या छात्रा दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य परिसर में अनुशासन बनाए रखने के साथ ही छात्रों को सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। विश्वविद्यालय में छात्रों के बीच विवाद का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले हॉस्टल में बीई और स्कूल ऑफ लाइफ साइंस की छात्राओं के बीच मारपीट का मामला सामने आया था। विवाद के बाद संबंधित छात्राओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें हॉस्टल से बाहर कर दिया गया था। वहीं, सोमवार को दाऊदयाल संस्थान में बीएससी वोकेशनल प्रथम वर्ष के छात्रों के बीच भी मारपीट हुई थी। आरोप था कि एक छात्र ने आगरा कॉलेज से बाहरी छात्रों को बुलाया था। विवाद के दौरान दो छात्रों के सिर में चोट आई थी।

शिक्षकों के सामने हुई घटना, किसी ने नहीं रोका

छात्रा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जिस समय उसके साथ अभद्रता की गई, उस दौरान शिक्षक भी मौजूद थे। इसके बावजूद किसी ने सीनियर छात्राओं को रोकने की कोशिश नहीं की। इसके बाद छात्रा ने मामले की शिकायत यूजीसी की एंटी रैगिंग सेल में ऑनलाइन दर्ज कराई। शिकायत विश्वविद्यालय तक पहुंचने के बाद प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने संबंधित छात्रों से पूछताछ शुरू की।

20 छात्रों के बयान दर्ज

जांच के दौरान एमएससी प्रथम वर्ष के करीब 20 छात्र-छात्राओं के बयान लिए गए हैं। छात्रों ने सीनियरों द्वारा कक्षा में परिचय लेने की बात स्वीकार की है। अब बोर्ड यह पता लगा रहा है कि परिचय के दौरान छात्रा के साथ किस तरह का व्यवहार किया गया और इसमें कौन-कौन शामिल था। चीफ प्रॉक्टर प्रो. मनु प्रताप सिंह ने बताया कि रैगिंग की शिकायत मिली है और मामले की जांच चल रही है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी में पहले प्रदेश ...

योगी ने कहा- 2017 में हमारे यहां सीधी भर्ती से खिलाड़ी भर्ती करने का कोई नियम नहीं था। हम मजबूर थे। लेकिन, फिर हमने सीधी भर्ती से खिलाड़ियों को नौकरी देना शुरू किया। अब तक 1000 खिलाड़ियों को सीधी भर्ती से नौकरी दे चुके हैं। 470 को आज दे रहे हैं, 500 और खिलाड़ी को नियुक्ति पत्र देने की तैयारी है। पहले की सरकारों ने खेल और खिलाड़ियों पर उतना ध्यान नहीं दिया, इसलिए हमें पदक नहीं मिलते थे। गांवों में प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। अगर उन्हें मौका मिल जाए, तो वे दुनिया के किसी भी खिलाड़ी को पछाड़ सकते हैं। आज कोच के साथ पुष्टाहार की व्यवस्था की जा रही है। खिलाड़ी के लिए सरकारी भर्ती में दो प्रतिशत कोटा दिया है। इससे पहले डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा- आज 470 प्रतिभाशाली खिलाड़ी यूपी पुलिस का हिस्सा बनने जा रहे हैं। यह केवल भर्ती का आंकड़ा नहीं, बल्कि खेल प्रतिभाओं के सम्मान और उन्हें जनसेवा से जोड़ने का उदाहण है। खेल और पुलिस में गहरा संबंध है। पुलिस और खेल से अनुशासन, व्यायाम, आचरण, अभ्यास और धैर्य सीखने को मिलता है। आज आपकी मेहनत को नई पहचान मिल रही है।

नाना पाटेकर को ...

वो देशविरोधियों पर निरंतर अंकुश के समर्थक थे। पीएम मोदी ने अपने बयान में नाना पाटेकर की 6 फिल्मों तिरंगा, परिंदा, प्रहार, क्रांतिवीर, खामोशी और अंकुश का जिक्र किया। इनमें 'परिंदा' और 'क्रांतिवीर' के लिए नाना पाटेकर को नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला था। बॉलीवुड, राजनीति, खेल और साहित्य जगत की कई हस्तियों ने भी पाटेकर को श्रद्धांजलि दी है। अक्षय कुमार, विराट कोहली, रवीना टंडन, रजनीकांत, परेश रावल, मनोज बाजपेयी, कंगना रनौत और सुनील शेट्टी समेत कई सितारों ने उनके निधन पर दुख जताया है। राहुल गांधी बोले- दर्शकों के दिलों में एक अमिट छाप छोड़ी नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि दी। उन्होने लिखा "प्रसिद्ध अभिनेता नाना पाटेकर जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। अपने अभिनय और किरदारों से उन्होंने भारतीय सिनेमा पर और दर्शकों के दिलों में एक अमिट छाप छोड़ी है। इस पीड़ा के समय में मेरी गहरी संवेदनाएं उनके शोकाकुल परिजनों, मित्रों और समर्थकों के साथ हैं।"

ज्ञानेश कुमार के ...

जब आयोग शपथ पत्र मांगता है, तो कोई दाखिल नहीं किया जाता। EVM को हार के बाद ही दोषी ठहराया जाता है। उन्हीं मशीनों से मिली जीत पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। एक पार्टी जिसने पांच दशकों से अधिक समय तक इस देश पर शासन किया, अब दावा कर रही है कि जो व्यवस्था उसे सत्ता में लायी, वही धांधली वाली है।ह इससे पहले सितंबर में 2,000 से ज्यादा नागरिकों ने एक ओपन लेटर में कोर्ट से SIR रोकने की अपील की थी। उन्होंने इसकी वैधता और प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच होने तक अभियान रोकने की मांग की थी। CJI सूर्यकांत को लिखे लेटर में साइन करने वालों ने वोटर लिस्ट के मैनेजमेंट और ECINet प्लेटफॉर्म से जुड़ी गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की थी। लेटर पर दस्तखत करने वालों में पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल विष्णु भागवत, पूर्व आईएएस अधिकारी अदिति मेहता, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण, इतिहासकार आदित्य मुखर्जी और अभिनेता प्रकाश राज सहित शिक्षाविद, वकील, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। 4 अक्टूबर- वोटिंग से रोकने वाली प्रक्रिया मनमानीः सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज जस्टिस उज्जल भुइयां ने 4 अक्टूबर को NALSAR यूनिवर्सिटी में कहा था कि लाखों भारतीय नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने वाली कोई भी प्रक्रिया मूल रूप से मनमानी है। 5 अक्टूबर- पूर्व CJI गवई बोले- विचाराधीन मामले पर बयान मर्यादा के खिलाफः पूर्व जस्टिस गवई ने कहा कि किसी लंबित मामले पर सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज को सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। यह न्यायिक मर्यादा के खिलाफ है। दिल्ली हाईकोर्ट के दो रिटायर्ड जजों ने भी ऐसा बयान देने से पहले हजार बार सोचना चाहिए था।

बेंगलुरु में सीजेपी का ...

दीपके ने प्रदर्शनकारियों से 'नरेंद्र मोदी वोट चोर' और 'SIR रद्द करो' के नारे लगवाकर अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा- पीएम मोदी ने वोट चोरी करके चुनाव जीता। जिंदा लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। यह लोकतंत्र की हत्या है। भाजपा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का नारा देती है, जबकि उनका मकसद 'वन नेशन, वन पार्टी' बनाने का है। दीपके ने इसकी तुलना हिटलर से की। उन्होंने कहा- 2024 में BJP और कांग्रेस के बीच वोट शेयर का अंतर सिर्फ 2% था। भाजपा 400 पार का दावा कर रही थी। इसलिए चुनाव के रिजल्ट से वह हैरान हो गई। दीपके ने आगे कहा- नेहरू भारत की रीढ़ थे और उन्होंने उन लोगों को भी वोट देने का अधिकार दिया, जिन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। वहीं, एक्टर प्रकाश राज ने अपने संबोधन में कहा- SIR के जरिए चुनाव आयोग ने पूरे देश का अपमान किया है। पहले चुनाव अधिकारी नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए घर-घर जाते थे, लेकिन अब मतदाताओं को अपना नाम हटाए जाने से बचाने के लिए अधिकारियों के सामने गुहार लगानी पड़ रही है। प्रकाश राज ने कहा कि पहले लोग तय करते थे कि सरकार कौन बनाएगा, लेकिन SIR के जरिए सरकार तय कर रही है कि कौन वोट देगा। नाम हटाना महज आंकड़ा नहीं है और इसमें एक पैटर्न दिखाई देता है, जिसमें अल्पसंख्यक, आदिवासी और मुस्लिम मतदाता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन का मकसद सिर्फ मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाना नहीं है, क्योंकि उनके जाने के बाद कोई और उनकी जगह लेगा। हमारी मांग SIR को खत्म करने और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मामला दर्ज करने की है। जब तक ये मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। अभिजीत दीपके ने बेंगलुरु में प्रदर्शन से पहले सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा- सत्ता आपके पास हो सकती है, लेकिन सड़कें हमारी हैं। यहीं से हम अपना लोकतंत्र वापस लेंगे। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने दावा किया कि 10 अक्टूबर के प्रदर्शन से पहले बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने लिखा- मोदी को लगता है कि लोगों को जेल में डालकर विरोध की आवाज को दबाया जा सकता है। जितने ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया जाएगा, उतने ही ज्यादा लोग प्रदर्शन में शामिल होंगे। CJP ने जुलाई में शिक्षा के मुद्दों को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। आंदोलन की शुरुआत 6 जून को हुई थी। यह 36 दिन चला और 25 जुलाई को खत्म हुआ। उसी दिन तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी इस्तीफा दिया था। पुलिस के मुताबिक, जुलाई में CJP के प्रदर्शन में शामिल या उसके आसपास मौजूद 2,873 लोगों की पहचान क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले लोगों के तौर पर हुई थी। इनमें करीब 989 लोग गंभीर अपराधों से जुड़े थे। पुलिस का दावा है कि इनमें 101 लोग हत्या के मामलों में आरोपी रहे हैं। इनमें 42 ऐसे लोग थे, जिन पर दो या उससे ज्यादा हत्या के मामले दर्ज होने की बात कही गई है। 12 लोगों पर 10 या उससे ज्यादा हत्या के मामले दर्ज होने का दावा किया गया है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में चुनाव आयोग के SIR से जुड़े फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आपत्ति दर्ज की थी। दोनों ने आरोप लगाया कि कुछ फैसले उनकी जानकारी या सिफारिश के बिना लिए गए। इन आपत्तियों की कॉपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी भेजी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों चुनाव आयुक्तों ने वोटर लिस्ट में नए नाम जोड़ने, नाम हटाने और दोबारा बहाल करने की प्रक्रिया के साथ-साथ चुनावी डेटा और उसे संभालने वाले सॉफ्टवेयर से जुड़े मामलों पर भी सवाल उठाए थे।

हसन नवाज ने कहा- हार का दर्द अब भी है, हमने छोटी गलतियों की कीमत चुकाई

भारत से एशियाड का फाइनल हारने पर बोला पाकिस्तानी बैटर

मैच

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तानी बैटर हसन नवाज ने कहा कि भारत के खिलाफ एशियन गेम्स फाइनल हारने का दर्द अब भी उन्हें परेशान करता है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी गलतियों की वजह से पाकिस्तान को हार मिली।

2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ T20I शतक लगाकर इंटरनेशनल क्रिकेट में आने वाले नवाज ने अपने खेल पर काम करने का तरीका भी बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने जमीनी स्तर का क्रिकेट खेलकर अपने खेल को बेहतर कर रहे हैं।

नवाज ने कहा, 'इन मैचों में मिलने वाले गेंदबाज और पिच आपको मुश्किल हालात में बेहतर खिलाड़ी बनने में मदद करते हैं।इंटरनेशनल क्रिकेट में आपको बेहतर हालात में बैटिंग करने का मौका मिलता है, तो इससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ता है।'



भारत ने पिछले हफ्ते जापान में पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर गोल्ड जीता था। इस मैच में नवाज ने 96 रन बनाए थे।

नवाज ने कहा कि वे बहुत आगे के बारे में नहीं सोचते। अब उनका ध्यान घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज में श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखने पर है। उन्होंने कहा, 'आपके पास एक योजना होती है और आपको उसी पर कायम रहना होता है। उतार-चढ़ाव हमेशा आते रहते हैं।'



नवाज बोले- अपनी से संतुष्ट हूं, लेकिन हारना निराशाजनक रहा

नवाज ने बुधवार को रावलपिंडी में मीडिया से बातचीत में कहा कि वे अपनी पारी से संतुष्ट हैं। वे अपने प्लांस के हिसाब से बैटिंग कर रहे थे।

हसन नवाज ने कहा, 'मुझे लगता है कि फाइनल अब खत्म हो चुका है और क्रिकेट तथा मैच आगे भी जारी रहेंगे। हमसे भी गलतियां होती रहेंगी। लेकिन, उन्हें हराने के लिए हमें अपनी गलतियों से सीखना होगा और बेहतर बनना होगा।'

श्रीलंका के धनंजय डी सिल्वा ने टेस्ट कप्तानी छोड़ी

कहा- अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने का समय

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका के टेस्ट कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने तत्काल प्रभाव से पद छोड़ दिया। उन्होंने गुरुवार को कहा कि अब जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंपने का समय है। 35 साल के धनंजय ने चयन समिति को पत्र भेजकर अपने फैसले की जानकारी दी। वे खिलाड़ी के तौर पर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

धनंजय ने जनवरी 2024 में दिमुथ करुणारत्ने की जगह टेस्ट कप्तानी संभाली थी। उन्होंने 69 टेस्ट में 4,400 से ज्यादा रन बनाए हैं। इसमें 13 शतक शामिल हैं।

धनंजय डी सिल्वा ने श्रीलंका की चयन समिति को लिखे पत्र में कहा, 'मेरी ईमानदार राय है कि जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंप देनी चाहिए।'

धनंजय डी सिल्वा ने कप्तानी संभालने के बाद श्रीलंका को 18 टेस्ट मैचों में नेतृत्व दिया। श्रीलंका ने इनमें से 7 मैच जीते। कप्तान के तौर पर धनंजय ने 36.45 की औसत से 1,130 रन बनाए। उन्होंने 9 विकेट भी लिए।



पत्र में लिखा- मेरी राय, अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपे

हनुमा विहारी ने सैमसन की फॉर्म पर सवाल उठाए

कहा- कॉम्प्टीशन के दबाव में असुरक्षित महसूस कर रहे

नई दिल्ली। भारत के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर हनुमा विहारी ने ओपनर संजू सैमसन के फॉर्म की आलोचना की है। उन्होंने सैमसन को मिल रहे लंबे मौके पर भी सवाल उठाया। विहारी ने कहा- 'सैमसन टीम में कॉम्प्टीशन के दबाव के कारण असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।'

सैमसन मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी-20 मैच में 11 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने एशियन गेम्स में 9, 7 और 2 रन बनाए थे।

पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ लगाए 2 फिफ्टी को छोड़ दें, तो 2026 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद उनकी टी-20 इंटरनेशनल फॉर्म अच्छी नहीं रही है।

खिलाड़ी हनुमा विहारी ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा- 'सैमसन की एक और नाकामी सबसे बड़ा सवाल है। उन्हें कितने लंबे समय तक मौका दिया जा सकता है? मैं उनका बड़ा प्रशंसक हूं और चाहता हूं कि वे खेलें। लेकिन मुझे लगता है कि वह असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।'



हनुमा ने कहा- 'मैंने पहले भी कहा है कि जब सैमसन पर कॉम्प्टीशन का दबाव होता है, तो वे प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए, अगर आपको याद हो, वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड सीरीज में ईशान की वापसी हुई थी, तब सैमसन प्रदर्शन नहीं कर सके थे। अब वैभव उनके पीछे हैं। उन्हें उस दबाव का एहसास हो रहा होगा।"

इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने 43 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाए। भारत ने पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया।

पंजाब किंग्स के 2 कोच ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। IPL फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स के फील्डिंग कोच ब्रैड हैडिन और तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने टीम छोड़ दी है। दोनों ने हाल ही में फ्रेंचाइजी को इसकी जानकारी दी। हैडिन और होप्स के बिग बैश लीग (BBL) से जुड़ सकते हैं।

अब IPL 2027 से पहले टीम को 3 कोच की जरूरत है। क्योंकि, साईराज बहुतुले ने पहले ही टीम छोड़ दी है। वे टीम इंडिया के स्पिन बॉलिंग कोच बने हैं। नए कोचों को मिड-दिसंबर में होने वाली नीलामी से पहले चुना जा सकता है।

पंजाब की टीम पिछले IPL में 5वें स्थान पर रही थी। उसने लखनऊ के खिलाफ अपना आखिरी मैच जीता। लेकिन, यह जीत प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी नहीं थी। क्रिकबज के अनुसार पंजाब किंग्स मैनेजमेंट नए कोचों की तलाश शुरू कर चुका है। नए स्टाफ पर फैसला रिकी पोंटिंग करेंगे। मैनेजमेंट कुछ नाम सुझा सकता है।

उम्मीदवारों से बातचीत और इंटरव्यू पोंटिंग के उनसे बात करने के बाद होंगे।

भारत ने जीते 85 पदक, 21 गोल्ड ■ 5 इवेंट में पहली बार गोल्ड

15 अक्टूबर को प्रधानमंत्री एशियन गेम्स के मेडलिस्ट से मिलेंगे



नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अक्टूबर को एशियन गेम्स 2026 के भारतीय पदक विजेताओं से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात PM आवास में होगी। यह जानकारी IOA के सूत्रों ने को दी। आइची-नागोया में हुए एशियाई खेलों में भारत ने कुल 85 पदक जीते। इनमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। PM मोदी पहले भी कई मौकों पर भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात कर चुके हैं। पिछली बार वे 9 अगस्त को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के मेडलिस्ट से मिले थे।

5 खिलाड़ियों ने मेडल की हैट्रिक लगाई, जबकि 23 खिलाड़ियों ने 2-2 मेडल जीते। भारत को सबसे ज्यादा डबल मेडल एथलेटिक्स में मिले। आर्चरी और शूटिंग के 5-5 खिलाड़ी ने दोहरे पदक जीते। स्क्वैश के चार और गोल्फ की प्रणवी उर्स को 2 मेडल मिले।



तीरंदाजी-बॉक्सिंग में 8 गोल्ड क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी की दोनों टीमें चैंपियन

भारत ने तीरंदाजी, बॉक्सिंग, शूटिंग, हॉकी, क्रिकेट, कुश्ती, कबड्डी, एथलेटिक्स और गोल्फ समेत कई खेलों में पदक जीते।

भारतीय तीरंदाजों ने 5 गोल्ड सहित 9 मेडल जीते। वहीं, भारतीय मुक्केबाजों ने 3 गोल्ड और 3 ब्रॉन्ज समेत 6 पदक जीते। क्रिकेट में भारतीय महिला और पुरुष दोनों टीमों ने गोल्ड जीता। हॉकी और कबड्डी में भी भारत की दोनों टीमें चैंपियन बनीं।

मनोरंजन



4 दिन पहले कहा था- नहीं जानता, कल रहूं या नहीं, गोवा में कार्डियक अरेस्ट से निधन

नहीं रहे नाना पाटेकर

मुंबई। नाना पाटेकर का असली नाम विश्वनाथ पाटेकर था। बचपन में उनकी छोटी बहन उन्हें प्यार से 'नाना' कहकर बुलाती थी, जिसके बाद यही उनकी पहचान बन गया।

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक CPR दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। अंतिम संस्कार पुणे के फॉर्महाउस में होगा।

मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। अब शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, "हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।" डॉ. शेखर ने बताया कि रात करीब 2:30 बजे नाना ने एक दोस्त को मैसेज कर तबीयत ठीक नहीं लगने की बात कही थी। दोस्त ने उस समय मैसेज नहीं देखा। बाद में फोन करने पर वह करीब 4 बजे नाना के घर पहुंचा। उस वक्त नाना को काफी पसीना आ रहा था। उनकी हालत बिगड़ रही थी। कुछ देर बाद वह बेहोश होने लगे। इसके बाद केयरटेकर को अस्पताल भेजा गया और एंबुलेंस बुलाई गई। इमरजेंसी टीम घर पहुंची तो नाना पूरी तरह नॉन-रिएक्टिव थे। टीम ने तुरंत कार्डियक मसाज शुरू की। उन्हें सुबह करीब 4:20 से 4:30 बजे के बीच मणिपाल अस्पताल लाया गया।

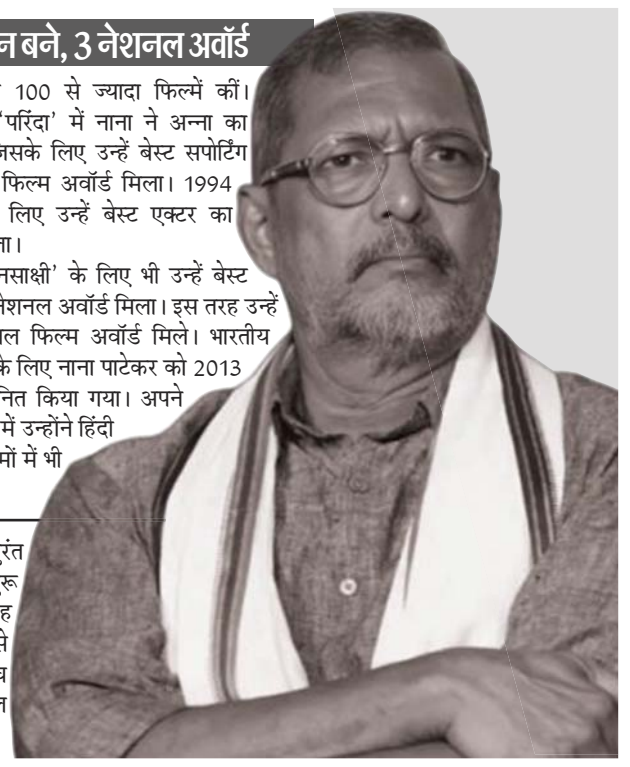


नाना के उदय शेट्टी के किरदार के डायलॉग्स पर कई मीम्स बने। जिसमें सबसे लोकप्रिय सीन वह था, जहां वे खुद को शांत करने के लिए कहते हैं—कंट्रोल उदय... कंट्रोल!

'परिंदा' में विलेन बने, 3 नेशनल अवॉर्ड

नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्में कीं। 1989 की फिल्म 'परिंदा' में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की 'क्रांतिवीर' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला।

1996 की 'अग्निसाक्षी' के लिए भी उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। इस तरह उन्हें करियर में 3 नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिले। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए नाना पाटेकर को 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। अपने लंबे फिल्मी करियर में उन्होंने हिंदी के साथ मराठी फिल्मों में भी काम किया।



'रामायण' फिल्म के मेकर पर इनकम टैक्स रेड की खबर

नमित मल्होत्रा की कंपनी प्राइम फोकस के मुंबई दफ्तरों में जांच

नई दिल्ली। फिल्म 'रामायण' के निर्माता नमित मल्होत्रा की कंपनी 'प्राइम फोकस लिमिटेड' के मुंबई स्थित दफ्तरों पर छापेमारी की खबर है। CNBC-TV18 की रिपोर्ट के मुताबिक आयकर विभाग ने यह कार्रवाई विदेशी लेन-देन (फॉरेन रेमिटेंस) में हुई गड़बड़ियों के सिलसिले में की है।

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही बड़ी बजट की फिल्म रामायण की रिलीज से कुछ हफ्ते पहले यह कार्रवाई सामने आई है।

आयकर विभाग की यह सर्च कार्रवाई विदेशों में पैसे भेजने से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं को लेकर की गई है। हालांकि, किस तरह के लेन-देन की जांच की जा रही है और इस कार्रवाई का दायरा कितना बड़ा है, इसे लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी या खुलासा नहीं किया गया है।

7 अक्टूबर की सुबह जैसे ही इस रेड की खबर फैली, शेयर बाजार में प्राइम फोकस के शेयरों में तुरंत 8 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

आयकर विभाग की यह कार्रवाई मुंबई स्थित प्राइम फोकस स्टूडियोज में 'रामायण' के सेट के पास हुई आगजनी की घटना के कुछ दिनों बाद हुई है।

उस समय स्टूडियो के पास मामूली आग लग गई थी। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था और स्थिति पर काबू पाने के तुरंत बाद शूटिंग का काम दोबारा शुरू कर दिया गया था।



माधुरी दीक्षित ने केबीसी में चलवा दी डांस की पुरानी क्लिप, देख शरमा गए बिग बी

हमसे बड़ी गुस्ताखी हो गई थी :अमिताभ बच्चन

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित जल्द ही अमिताभ बच्चन के शो 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के एक एपिसोड में नजर आएंगी। यह एपिसोड 9 अक्टूबर को रात 9 बजे सोनी टीवी पर प्रसारित होगा।

एपिसोड से पहले सोनी टीवी ने दो प्रोमो शेयर किए हैं, जिनमें अमिताभ और माधुरी के बीच मजेदार बातचीत देखने को मिली।

पहले प्रोमो में अमिताभ बच्चन ने माधुरी से फिल्म 'तेजाब' के गाने 'एक दो तीन' के स्टेप को रीक्रिएट करने को लेकर कहा, "एक बार हमसे बड़ी गुस्ताखी हो गई थी। एक फिल्म थी, उसमें हमने ऐसे एक दो तीन किया था।"

इसके बाद माधुरी ने मजाकिया अंदाज में कहा, ₹हम भी दिखा दें? जिसके बाद स्क्रीन पर अमिताभ की 1989 की फिल्म 'तूफान' का एक सीन चलाया गया, जिसमें अमिताभ बच्चन गाने 'एक दो तीन' पर डांस करते नजर आए। वीडियो को देखते ही अमिताभ बच्चन शरमा गए और बोले कि कहां से कहां ये लोग निकाल ले रहे हैं? अंत में अमिताभ बच्चन ने अपने डांस को लेकर कहा कि एक अच्छे गाने को किस तरह खराब किया जाए, देखा आपने अभी।





अमिताभ बच्चन और माधुरी दीक्षित ने मुख्य कलाकार के तौर पर कभी भी किसी फिल्म में साथ काम नहीं किया है।

आयुष्मान ने अमिताभ से माफी मांगी

वहीं, इससे पहले सारा अली खान और आयुष्मान खुराना 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में मेहमान बनकर पहुंचे थे। दोनों अपनी आने वाली फिल्म 'उड़ता तीर' के प्रमोशन के लिए शो में आए थे। एपिसोड में अमिताभ बच्चन और आयुष्मान ने 'गुलाबो सिताबो' से जुड़ी यादें भी शेयर कीं।

आयुष्मान ने फिल्म में अमिताभ के किरदार को 'बुढ़ऊ' कहने पर उनसे माफी मांगी। आयुष्मान ने कहा, "मैंने फिल्म में आपको बुढ़ऊ कहा, इसके लिए माफी मांगता हूं। आप बुढ़ऊ नहीं हैं। असल जिंदगी में आपमें 84 साल की कोई हरकत नहीं है।

आज संसद में वोटिंग ■ मेलोनी बोलीं- कानून पास नहीं हुआ तो इस्तीफा दे दूंगी

इटली में चुनाव जीतने पर एक्स्ट्रा सीटें मिलने पर विवाद

विवाद

रोम, एजेंसी

इटली में चुनाव जीतने वाली पार्टी या गठबंधन को संसद में एक्स्ट्रा सीटें देने के प्रस्ताव पर विवाद छिड़ गया है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार यह कानून लाना चाहती है। इसके तहत चुनाव में जीतने वाली पार्टी या गठबंधन को संसद में 105 अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं।

हालांकि, इसके लिए उसे दोनों सदनों में कम से कम 42% वोट हासिल करने होंगे। सरकार का कहना है कि इससे देश में राजनीतिक स्थिरता आएगी और सरकारें बार-बार नहीं गिरेंगी। वहीं, विरोधियों का आरोप है कि इस कानून से चुनाव जीतने वाले गठबंधन को जरूरत से ज्यादा ताकत मिल जाएगी।



मेलोनी की मौजूदा सरकार का पांच साल का कार्यकाल अगले साल खत्म होना है। हालांकि, अगर इस कानून को लेकर सत्ताधारी गठबंधन में टूट होती है तो देश में समय से पहले चुनाव भी हो सकते हैं।

इटली में सरकारों के अस्थिर रहने का लंबा इतिहास है। 1946 में इटली के गणराज्य बनने के बाद से अब तक वहां 68 सरकारें बन चुकी हैं। 1954 में एक सरकार तो सिर्फ 22 दिन चली थी।

पिछले महीने जॉर्जिया मेलोनी ने एक रिकॉर्ड बनाया। सितंबर 2022 में प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी सरकार इटली के इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाली सरकार बन गई।

विरोधियों का कहना है कि अतिरिक्त सीटें मिलने से चुनाव जीतने वाले गठबंधन के पास संसद में जरूरत से ज्यादा ताकत आ सकती है। इससे वह दूसरे सांसदों से बातचीत किए बिना कई बड़े फैसले कर सकेगा। इनमें जजों और राष्ट्रपति की नियुक्ति जैसे अहम मामले भी शामिल हैं। इससे लोकतंत्र को खतरा है। वामपंथी विचारों वाले पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक मासिमो जियानिनी ने इस कानून की तुलना 1923 में बने एक कानून से की। उस कानून ने उस समय नेशनल फासिस्ट पार्टी को संसद पर कब्जा करने में मदद की थी।

जियानिनी ने अपने पॉडकास्ट में कहा, "103 साल बाद वही तरीका फिर दोहराया जा रहा है। चुनावी कानून में भारी बहुमत के लिए बोनस सीटें देने से लोकतंत्र का संतुलन बदल जाता है।"

कानून लागू हुआ तो किस तरह बटेंगी सीटें?

इटली की संसद में कुल 600 सीटें हैं, जिनमें निचले सदन की 400 और सीनेट की 200 सीटें हैं। प्रस्ताव के मुताबिक, अगर कोई पार्टी या गठबंधन कम से कम 42% वोट हासिल करके सबसे आगे रहता है तो उसे निचले सदन में 70 और सीनेट में 35 बोनस सीटें दी जाएंगी। ये सीटें कुल संख्या के अंदर ही बांटी जाएंगी। इसका मतलब यह नहीं है कि निचले सदन में 400 के ऊपर 70 सीटें जोड़ दी जाएंगी। कुल सीटें 400 ही रहेंगी।



■ इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का इस प्रस्ताव को लेकर सरकार का तर्क है कि सीटें मिलने से जीतने वाले गठबंधन के पास पर्याप्त ताकत होगी।

"इस कानून पर आज संसद में वोटिंग होनी है। मेलोनी ने साफ कहा है कि अगर कानून पास नहीं हुआ तो वह इस्तीफा दे देंगी। ऐसे में इस वोटिंग को उनकी सरकार के लिए अहम माना जा रहा है।

अमेरिका में इस साल 30वें व्यक्ति को मौत की सजा

जहरीले इंजेक्शन का डोज देकर ली गई जान

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के टेक्सस में बुधवार को एक कैदी को मौत की सजा दी गई। उसने स्टोर क्लर्क की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

वह इस साल अमेरिका में मौत की सजा पाने वाला 30वां व्यक्ति था। टेनेसी में क्रिस्टा पाइक को जानलेवा इंजेक्शन देने की नाकाम कोशिश के बाद यह पहली मौत की सजा थी। 46 वर्षीय जमाल हावर्ड को हंट्सविले की स्टेट जेल में जहरीले इंजेक्शन की डोज दिए जाने के बाद बुधवार रात 8:03 बजे (स्थानीय समय) मृत घोषित कर दिया गया। उसने वर्ष 2000 में एक स्टोर में हुई लूट के दौरान 42 वर्षीय विकी स्वार्टआउट की हत्या कर दी थी। जेल वार्डन ने जब आखिरी इच्छा पूछी, तो उसने पीड़िता के परिवार के सदस्यों से माफी मांगी, जो कुछ दूरी पर खिड़की से यह सब देख रहे थे। टेक्सस ने 2026 में अब तक छह लोगों को मौत की सजा दी है और इस साल दो और लोगों को मौत की सजा देने की योजना है।



- टेक्सस में कैदी जमाल हावर्ड को मौत की सजा दी गई।
- वह इस साल अमेरिका में मौत की सजा पाने वाला 30वां व्यक्ति।
- 2000 में स्टोर क्लर्क की हत्या के आरोप में दोषी ठहराया गया।

फास्ट न्यूज

अमेरिका की सुरक्षा में चूक

वाशिंगटन। अमेरिका में यूनाइटेड पार्सल सर्विस के एक कर्मचारी की छोटी सी लापरवाही ने पूरे देश की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। दरअसल अमेरिका को एक चेतावनी दी गई थी जिसमें कहा गया था कि जिस शिपमेंट में F-35 कॉकपिट कैनोपी और हथियार रखने वाली जगह का दरवाजा है और उनको रडार से बचाने के लिए मटीरियल लगा है उसे हांगकांग से दूर रखा जाए।

फिलीपींस में लगे भूकंप के तेज झटके

मनीला। गुरुवार को फिलीपींस के मिंडानाओ द्वीप में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (GFZ) ने इसकी पुष्टि की है। GFZ के अनुसार, यह भूकंप समुद्र तल से 10 किलोमीटर (लगभग 6.21 मील) की गहराई पर आया।

फिलीपींस की भूकंप विज्ञान एजेंसी फिवोल्क्स ने एडवाइजरी जारी कर कहा कि इस भूकंप से बड़े पैमाने पर नुकसान की आशंका नहीं है। हालांकि, एजेंसी ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है क्योंकि आफ्टरशॉक्स महसूस किए जा सकते हैं। स्थानीय प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। अभी तक किसी हताहत की खबर नहीं है।

जेल में बंद प्रदर्शनकारी ने फोन पर की अपनी मंगेतर से शादी

तेहरान। मध्य ईरान के शहर इस्फहान में प्रदर्शनकारी अलीरेजा सेपाही को फांसी दे दी गई। जनवरी में हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद गिरफ्तार किया गया था। जुलाई में दिल का दौरा पड़ने के कारण उन्हें सबके सामने फांसी नहीं दी गई। इस बीच में उन्होंने अपनी मंगेतर से शादी भी की। लेकिन 5 अक्टूबर की सुबह वह पल आ ही गया जिसका 25 वर्षीय अलीरेजा को महीनों से डर था।

बैंक, अस्पताल अब फोन में इससे 5 लाख करोड़ गलत हाथों में जाने से बचे

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दूसरे दिन पीएम मोदी ने कहा कि आज सरकार की बैंक, अस्पताल, सरकारी दफ्तर जैसी सैकड़ों सर्विसेज मोबाइल पर हैं। वहीं उन्होंने बताया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से अब तक करीब 50 लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। इस सिस्टम की वजह से बिचौलियों और फर्जीवाड़े पर रोक लगी और लगभग 5 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बच गए। इंडिया मोबाइल कांग्रेस का AIऔर 6G पर फोकस रहेगा। 2017 में हुआ पहला इवेंट सिर्फ भारत पर फोकस्ड था, अब 100 से ज्यादा देश शामिल हुए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज मोबाइल फोन केवल गपशप या चैट करने का जरिया नहीं रह गया है, बल्कि यह आम लोगों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। भाषा या दूरी की रुकावटें खत्म हो गई हैं। अब लोगों को दफ्तरों के चक्कर काटने और लंबी लाइनों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बच रहा है।



भारत में टेलीकॉम का मतलब अब सिर्फ नेटवर्क, स्पेक्ट्रम या इंटरनेट स्पीड तक सीमित नहीं है। पीएम ने कहा कि भारतीयों के लिए यह इससे कहीं आगे की चीज है।

डीबीटी से हुई बचत पर विपक्ष और दलालों पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा, "जिन लोगों की यह अवैध कमाई बंद हो गई है, वे जाहिर तौर पर मोदी को पसंद नहीं करेंगे। वे चाहे जितना भी शोर मचाते रहें, लेकिन हमने जनता का हक सीधे जनता तक पहुंचाने का पक्का संकल्प लिया था और इसे पूरा किया।"

ट्रम्प बोले मैंने 8 युद्ध रुकवाए, दुनिया तबाह होने से रोकी, 6 साल से मांग रहे प्राइज

'मुझे नोबेल नहीं दिया तो कमेटी की बदनामी होगी'

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार पर अपनी दावेदारी जताई। 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार, 9 अक्टूबर को होनी है।

इससे एक दिन पहले ट्रम्प ने कहा कि उन्हें यह पुरस्कार मिलना चाहिए। अगर नोबेल समिति उन्हें यह पुरस्कार नहीं देती है, तो इससे नोबेल समिति की बहुत बदनामी होगी। ट्रम्प ने कहा, 'मैं अपनी तारीफ नहीं कर रहा हूं, सिर्फ तथ्य बता रहा हूं। मैंने 8 युद्ध रुकवाए और दुनिया को तबाह होने से रोका। शायद किसी भी राष्ट्रपति ने इतने युद्ध नहीं सुलझाए।'ट्रम्प ने 2009 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को मिले नोबेल शांति पुरस्कार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ओबामा को यह पुरस्कार मिलने की वजह उन्हें खुद भी पता नहीं थी। ट्रम्प ने कहा, "ओबामा को सिर्फ 8 महीने में यह मिल गया जबकि उन्होंने कुछ किया भी नहीं था। ओबामा को भी आज तक पता नहीं है कि उन्हें यह किसलिए मिला था।" ट्रम्प के लिए नोबेल प्राइज मांगना कोई नई बात नहीं है। अक्टूबर 2018 में एक कार्यक्रम में ट्रम्प ने नोबेल शांति पुरस्कार का जिक्र करते हुए कहा था कि उन्हें शायद यह पुरस्कार कभी नहीं मिलेगा, भले ही ने कोरिया और सीरिया में शांति कायम करने की कोशिश कर रहे हों। इसके बाद फरवरी 2019 में उन्होंने खुलकर अपनी दावेदारी रखी। उन्होंने कहा कि जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने उन्हें नोबेल के लिए नामित किया है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसे कभी नहीं जीत पाऊंगा। 2019 में एक पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल के जवाब में ट्रम्प ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्हें कई चीजों के लिए नोबेल मिलेगा, अगर पुरस्कार निष्पक्ष तरीके से दिया जाए। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी ट्रम्प ने नोबेल का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से अपनी तुलना करते हुए कहा था कि अगर ओबामा को यह पुरस्कार मिल सकता है तो उन्हें भी मिलना चाहिए। ट्रम्प की नोबेल दावेदारी का एक मामला वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो से भी जुड़ा है।



इस बार पोप लियो नोबेल प्राइज के दावेदार

ट्रम्प के अलावा पोप लियो, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (ICC), इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (ICJ) और फिलिस्तीनी क्षेत्रों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष रैपोर्टियर फ्रांसेस्का अल्बानीज के नाम भी चर्चा में हैं।

पोप लियो युद्ध और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। ICC और ICJ अंतरराष्ट्रीय कानून के जरिए युद्ध और देशों के विवादों से जुड़े मामलों पर काम करते हैं। अल्बानीज गाजा और फिलिस्तीनी इलाकों में मानवाधिकारों के मुद्दे उठाती रही हैं। हालांकि, ये आधिकारिक फाइनलिस्ट नहीं हैं। नोबेल समिति नामांकन की पूरी सूची 50 साल तक सार्वजनिक नहीं करती।

"नॉर्वे की नोबेल समिति ने ओबामा को दूसरे देशों से बातचीत बढ़ाने और दुनिया को परमाणु हथियारों से मुक्त करने की उनकी कोशिशों के लिए चुना था। हालांकि, ओबामा को इतने कम समय में पुरस्कार देने का फैसला उस समय भी चर्चा और विवाद का विषय बना था।

ड्रोन-मिसाइल हमले में 36 घायल, जवाब में यमन के 80 ठिकानों पर सऊदी की एयरस्ट्राइक

सऊदी एयरपोर्ट पर हूतियों का हमला, तीन की मौत

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब के दो एयरपोर्ट्स पर हूती विद्रोहियों ने ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। साथ ही 36 लोग घायल हुए हैं। सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन (GACA) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 6 और 7 अक्टूबर को निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है।

वहीं, यमन में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने हूतियों के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है।

पहले हमले में रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। हमला सीधे लक्ष्य पर हुआ और इससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ। दूसरे हमले में रबीघ स्थित अरामको की तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। हमले के बाद वहां आग लग गई। तीसरे हमले में हूतियों ने आभा एयरपोर्ट, खमिस मुशैत एयरबेस और असीर क्षेत्र के अकिफा कैंप को निशाना बनाने का दावा किया।



■ सऊदी अरब के रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हूतियों ने पहले भी हमला किया था। यह तस्वीर 19 सितंबर 2026 की है।

विदेशी नागरिकों ने हमले में जान गंवाई

आभा एयरपोर्ट पर हमले में मोरक्को और अल्जीरिया की दो महिला नागरिकों की मौत हुई। साथ ही यहां 28 लोग घायल हुए। इनमें सऊदी, बांग्लादेशी और फिलीपींस के नागरिक शामिल हैं। वहीं, किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक सूडानी नागरिक की मौत हुई। यहां 8 लोग घायल हुए, जिनमें 5 सऊदी नागरिक, 2 मिस्र के निवासी और एक पाकिस्तानी निवासी शामिल हैं। GACA ने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। साथ ही अधिकारी सुविधाओं की सुरक्षा की जांच कर रहे हैं और यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं।

सऊदी ने यमन में मिसाइल लॉन्च करने वाला ठिकाना नष्ट किया

इस बीच, यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने दावा किया कि उसने रियाद पर हमले के लिए इस्तेमाल किए गए एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म को नष्ट कर दिया है।

गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल-मालिकी ने कहा कि यह कार्रवाई यमन की राजधानी सना में की गई। उनके मुताबिक, वहां सऊदी अरब पर एक और हमले की तैयारी चल रही थी और हमला जल्द किया जा सकता था।

इससे पहले हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने सऊदी अरब में कई जगहों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने की जिम्मेदारी ली थी। इसमें रबीघ में स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी अरामको पर हमला भी शामिल है। याह्या सरी ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि संगठन ने बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए तीन बड़े सैन्य अभियान चलाए।

महंगाई के बीच एफडीस पर ज्यादा ब्याज मिलेगा

रेपो रेट बढ़ने से बैंक भी ब्याज दरें बढ़ाएंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

महंगाई कंट्रोल करने के लिए रिजर्व बैंक ने रेपो रेट 0.25% बढ़ाकर 5.50% कर दिया है। इससे एक तरफ जहां लोन महंगे होंगे, वहीं दूसरी तरफ बैंक जल्द ही अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरें भी बढ़ाएंगी। हालांकि, जिन लोगों ने पहले से फिक्स्ड डिपॉजिट करा रखा है, उन्हें इसका तुरंत फायदा नहीं मिलेगा और उन्हें पुरानी दर पर ही ब्याज मिलता रहेगा।

आइए समझते हैं कि रिजर्व बैंक के इस फैसले से नए और पुराने FD ग्राहकों पर क्या असर पड़ेगा और वे इससे ज्यादा-से-ज्यादा मुनाफा कैसे उठा सकते हैं।

अगर आपने पहले से ही कोई FD करवा रखी है, तो RBI के रेपो रेट बढ़ाने से उसकी ब्याज दर तुरंत बदलेगी। जब आप बैंक में FD बुक करते हैं, तो उस समय तय की गई ब्याज दर पूरे टैन्योर (अवधि) के लिए लॉक रहती है।



इसलिए पुरानी FD पर वही ब्याज मिलता रहेगा, जिस रेट पर उसे शुरू किया गया था। रेपो रेट में बढ़ोतरी का फायदा सिर्फ नई FD बुक करने पर या पुरानी FD के मैच्योर होने के बाद उसे रिन्यू कराने पर ही मिलेगा। बैंकबाजार के CEO आदिल शेट्टी का कहना है कि RBI का रेपो रेट बढ़ाकर 5.50% करने का फैसला बचत करने वालों के लिए राहत भरा है, लेकिन इसका फायदा धीरे-धीरे मिलेगा।

आरोप : 20 किलो आटे का बैग 3300 रुपए पहुंचा, रोटी 20 से बढ़कर 30 रुपए हुई

'पाकिस्तान में आटे के संकट से जूझ रहे लोग'

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पेशावर में आटे की कीमत तेजी से बढ़ने से लोग परेशान हैं। 20 किलो मोटे आटे का बैग 3,300 पाकिस्तानी रुपए तक पहुंच गया है। आटे की कीमत बढ़ने का असर तंदूरों पर भी पड़ा है।

ANI के मुताबिक, 20 रुपए में मिलने वाली 50 ग्राम की रोटी अब 30 रुपए में बिक रही है। कई इलाकों में एक रोटी की बिक्री भी बंद कर दी गई है और 40 रुपए में दो रोटियां दी जा रही हैं।

सरकारी सब्सिडी वाला आटा बाजार से लगभग गायब हो गया है। इसके चलते दुकानों पर व्यावसायिक आटे की कीमत बढ़ गई है। 20 किलो महीन आटे का बैग 3,120 रुपए में बिक रहा है, जबकि 80 किलो मोटे आटे की कीमत 13,200 रुपए पहुंच गई है। 20 किलो चोकर का बैग भी 1,480 रुपए में मिल रहा है। खाद्य विभाग का कहना है कि सब्सिडी वाला आटा अब भी पूरे प्रांत में बांटा जा रहा है। विभाग के मुताबिक, पिछले हफ्ते 1,611 सक्रिय डीलरों के जरिए सरकारी दरों पर 4,17,168 बैग आटा सप्लाई किया गया। पेशावर डिवीजन को 1,01,955, मलाकंड को 1,20,737 और मरदान को 59,389 बैग मिले। हजारा को 38,129, बन्नू को 12,588, डेरा इस्माइल खान को 41,688 और कोहाट को 42,682 बैग की सप्लाई की गई। पाकिस्तान में आटे की कमी कोई नई समस्या नहीं है। देश में पिछले कुछ वर्षों में कई बार गेहूं और आटे की सप्लाई प्रभावित हुई है। 2019-20 में आटे की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के साथ आटे की कमी का संकट सामने आया था। इसके बाद 2023 में भी गेहूं और आटे की भारी किल्लत हुई, जब सब्सिडी वाले आटे के लिए लोगों की लंबी कतारें लग गई थीं। 2023 के संकट में सरकार की ओर से कम कीमत पर दिए जाने वाले आटे की मांग तेजी से बढ़ गई थी।



कई इलाकों में दुकानदारों ने एक अकेली रोटी देना बंद किया

पेशावर के खैबर बाजार, अशरफ रोड, कराची मार्केट, नमक मंडी और गवर्नमेंट कॉलेज चौक जैसे इलाकों में कई दुकानदार अब एक अकेली रोटी नहीं दे रहे हैं। ग्राहकों को 40 रुपए में दो रोटियां खरीदनी पड़ रही हैं। लोगों का कहना है कि आटे की कीमत बढ़ने के साथ रोटी का वजन भी कम किया जा रहा है। आटे और रोटी की बढ़ती कीमतों से लोगों में नाराजगी है। उन्होंने प्रशासन से तय कीमत पर आटा और रोटी उपलब्ध कराने के साथ रोटी का वजन भी तय मानक के मुताबिक रखने की मांग की है।

कारोबारियों पर आटे की जमाखोरी का आरोप

आटे की कीमत बढ़ने के पीछे कुछ कारोबारियों पर जमाखोरी करने के आरोप लग रहे हैं। आरोप है कि कारोबारियों ने आटे का स्टॉक गोदामों में रोक लिया, जिससे बाजार में इसकी उपलब्धता कम हो गई और कीमतें तेजी से बढ़ीं। आटे की अचानक बढ़ी कीमतों के बाद कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियां बड़े कारोबारियों और आटा गोदामों पर नजर रख रही हैं। इस संकट के बीच आटा कारोबारियों के कुछ ही दिनों में करोड़ों रुपए का मुनाफा कमाने की बात भी सामने आई है।

बिजनेसमैन स्टारलिंक को रोक रहे यह बात गलत

मस्क के आरोपों पर सरकार की सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत सरकार ने एलन मस्क के उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें उन्होंने दावा किया था कि कुछ भारतीय उद्योगपति एकाधिकार बनाए रखने के लिए स्टारलिंक को भारत नहीं आने दे रहे।

सरकार ने आज यानी 8 अक्टूबर को कहा कि देश में सैटेलाइट कम्यूनिकेशन सर्विसेज के लिए तय नियम सभी के लिए एक जैसे हैं। यह कहना बिल्कुल गलत है कि नियमों को किसी के साथ भेदभाव करने के लिए लागू किया जा रहा है।

इससे पहले बुधवार को इलॉन मस्क ने देश के बड़े बिजनेसमैनों पर भारत में स्टारलिंक को रोकने का आरोप लगाया है। मस्क ने X पर पोस्ट कर लिखा, 'भारत के कुछ बड़े बिजनेसमैन नहीं चाहते कि स्टारलिंक का सैटेलाइट इंटरनेट भारत आए, ताकि उनका एकछत्र राज बना रहे।



मस्क ने पोस्ट में यह भी लिखा कि यह भारत के लोगों के खिलाफ एक अपराध है। मस्क ने किसी कंपनी या उद्योगपति का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनकी पोस्ट से भारतीय टेलीकॉम कंपनियों के बीच बहस छिड़ गई है।

मस्क का इशारा भारत के उन टेलीकॉम और बिजनेस घरानों की तरफ माना जा रहा है, जो स्पेक्ट्रम अलॉटमेंट के नियमों और सुरक्षा चिंताओं को लेकर सैटेलाइट इंटरनेट कंपनियों का विरोध या कड़ी शर्तों की मांग कर रहे हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676